वर्ष-11 अंक-73 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये
प्रयागराज, शनिवार 24 मई 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

'हिंसा का फायदा उठाते हैं राजनेता, लोग पीड़ित होते हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग हिंसा में भाग लेते हैं, वे नहीं चाहते कि आम लोगों के लिए कुछ अच्छा हो। अगर दंगा होगा, तो तोड़फोड़ होगी, घर नष्ट हो जाएंगे और लोग मारे जाएंगे। यदि कोई दंगा होता है, तो राजनेताओं को स्थिति का फायदा उठाने का मौका मिल जाता है। मैं कोई दंगा नहीं चाहती। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटनाएं लोगों को कष्ट पहुंचाती हैं लेकिन राजनेता इस स्थिति का फायदा उठाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गईं तमाम पोस्ट का उद्देश्य गलत सूचना फैलाकर लोगों को बांटना और हिंसा भड़काना था।पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों तथा सिलीगुड़ी उपमंडल में कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग हिंसा में भाग लेते हैं, वे नहीं चाहते कि आम लोगों के लिए कुछ अच्छा हो। अगर दंगा होगा, तो तोड़फोड़ होगी, घर नष्ट हो जाएंगे और लोग मारे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर अधिकतर पोस्ट फर्जी होती हैं। जो लोग इन्हें पोस्ट करते हैं, वे केवल पैसा कमाने के लिए जहरीली मानसिकता के साथ ऐसा करते हैं।

'स्वागत' कार्यक्रम, सीएम भूपेंद्र पटेल नागरिकों की शिकायतों का करेंगे निवारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। स्वागत ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत हर महीने के चौथे गुरुवार को राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2003 में की थी। राज्य के स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।इसी कड़ी में, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में मई-2025 का राज्य स्तरीय स्वागत ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम 22 मई को आयोजित होगा। मुख्यमंत्री इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम

नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के ऑनलाइन निवारण का राज्य स्तरीय 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) कार्यक्रम गुरुवार 22 मई को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी हिस्सा लेंगे और नागरिकों की समस्याओं को सुनेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2003 से शुरू हुए स्वागत ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत हर महीने के चौथे गुरुवार को राज्य में उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे। इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम के लिए आम जन और आवेदक अपना अभ्यावेदन गुरुवार, 22 मई की सुबह 8.00 से 11.00 बजे के दौरान मुख्यमंत्री की जनसंपर्क इकाई, स्वर्णिम संकुल-2, गांधीनगर पहुंचकर व्यक्तिगत रूप से दे सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री कार्यालय की जनसंपर्क इकाई में दोपहर बाद उपस्थित रहकर लोगों की शिकायतें सुनेंगे।

जब एक-एक कर रेता 34 का गला, जिसने बचने की कोशिश की उसे पहले गोली मारी फिर काट डाला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बिहार के महाकांड के 10वें भाग में जानते हैं बारा नरसंहार की कहानी। आखिर गया के नजदीक एक गांव में 12-13 फरवरी को क्या हुआ था? इस पूरे कहानी। आखिर गया के नजदीक एक गांव में 12-13 फरवरी को क्या हुआ था? इस पूरे नरसंहार की पृष्ठभूमि क्या थी? इसे किसने और कैसे अंजाम दिया था? अदालतों में इस मामले में क्या-क्या

नरसंहार की पृष्ठभूमि क्या थी? इसे किसने और कैसे अंजाम दिया था? अदालतों में इस मामले में क्या-क्या हुआबिहार के गया जिले से करीब 35 किलोमीटर दूर टेकरी ब्लॉक के करीब एक गांव है। नाम है- बारा। यूं तो बारा गांव आज पूरे मगध प्रमंडल की तरह शांत है, लेकिन आज से करीब 33 वर्ष पहले 1992 में यहां कुछ ऐसा घटनाक्रम घटा था, जिसकी छाप आज भी यहां के लोगों के दिमाग में है। इस पूरे घटनाक्रम को उस दौरान हत्याकांड करार दिया जाता रहा। हालांकि, जैसे-जैसे मामले में एक ही वर्ग के मृतकों की संख्या बढ़ी और हत्यारों की बर्बरता का खुलासा हुआ, इसे हर तरफ नरसंहार करार दिया जाने लगा। बिहार के महाकांड के 10वें भाग में जानते हैं बारा नरसंहार की हुआ?बारा नरसंहार भूमिहीन किसानों और मजदूरों के लिए हिंसक माध्यमों से आवाज उठाने वाले माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) और उच्च वर्ग के संगठन- सवर्ण लिबरेशन फ्रंट (एसएलएफ) के बीच संघर्ष की उपज थी और इस संघर्ष का केंद्र बना गया के करीब बारा गांव। इस छोटे गांव में उस दौरान महज 50 घर हुआ करते थे, जिनमें 40 घर अकेले भूमिहार जाति के लोगों के थे। इसके अलावा छह घर ब्राह्मण समुदाय के, एक यादव और एक घर तेली समुदाय का था। इसके अलावा एक दो दलित परिवार भी गांव में रहते थे। यह गांव अपने आसपास के गांवों, जैसे खुलुनी, देहुरा और नेइन बीघा से काफी अलग था। दरअसल, बाकी के गांवों में दलित आबादी अच्छी-खासी थी, जबकि बारा भूमिहार बहुल गांव था। यहां की अधिकतर जमीन भी भूमिहार जाति के लोगों के पास ही थी। 1980-90 के दौरे के बिहार की बात करें तो यहां माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) ने इस दौरान उच्च जातियों से आने वाले कई लोगों के खिलाफ हिंसा की और उन्हें मौत के घाट उतारा। एमसीसी का आतंक इस कदर था कि इस संगठन ने उच्च जातियों की कई निजी सेनाओं जैसे भूमिहारों की ब्रह्मर्षि सेना, राजपूतों की कुंवर सेना, कुर्मियों की भूमि सेना और यादवों की लोरिक सेना तक पर जमकर कहर बरपाया। हालांकि, 1990 आते-आते उच्च और पिछड़ी जातियों के इन संगठनों ने फिर से खुद को खड़ा करना शुरू किया। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली मैगजीन में कृष्ण चैतन्य की रिपोर्ट के मुताबिक, जब तक राज्य में सत्ता की चाभी उच्च वर्ग के हाथ में थी, तब तक जमींदारों को यह विश्वास था कि वह मजदूरों और किसानों से आसानी से निपट सकते हैं। लेकिन बिहार में जनता दल के उभार ने उच्च जातियों की चिंताओं को बढ़ा दिया। ऐसे में उच्च वर्ग ने अपने जातीय मतभेदों को भुलाते हुए एक अलग सवर्ण लिबरेशन फ्रंट बनाया। इसी के साथ भूमिहारों की निजी सेना- ब्रह्मर्षि सेना के प्रमुख 'राजा' महेंद्र ने सवर्णों की सेना को वित्तीय मदद पहुंचाने की शुरुआत की। देखते ही देखते सवर्ण लिबरेशन फ्रंट गया और जहानाबाद क्षेत्र में भूमिहार जमींदारों का मजबूत संगठन बन गया। इस संगठन ने सैकड़ों की संख्या में बंदूकें और अन्य हथियार भी जुटा लिए।

चीन के करीब असम के जंगलों में भारतीय सशस्त्र बलों ने दिखाई ताकत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार को असम के लखीमपुर जिले के दुलुंग रिजर्व वन में बहुआयामी युद्ध अभ्यास शुरू सक्रिय किया गया है। उन्होंने कहा कि अभ्यास में विभिन्न विस्फोटक कौशल और हवाई मारक क्षमता का परीक्षण शामिल होगा।अधिकारी ने कहा, यह

किया। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास जंगल की दुलुंग मुख रेंज को 20 मई से 31 अगस्त तक भारतीय सेना के बमबारी, रॉकेट लॉन्चिंग और शूटिंग अभ्यास के लिए सक्रिय किया गया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार को असम के लखीमपुर जिले के दुलुंग रिजर्व वन में बहुआयामी युद्ध अभ्यास शुरू किया। अगस्त तक चलने वाले इस युद्ध अभ्यास में सेना ने बमबारी की और रॉकेट दागे। जल्द ही भारतीय वायुसेना के विमान भी सीमा पर गरजेंगे।एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास जंगल की दुलुंग मुख रेंज को 20 मई से 31 अगस्त तक भारतीय सेना की बमबारी, रॉकेट लॉन्चिंग और शूटिंग अभ्यास के लिए डुलुंग में पूर्ण स्पेक्ट्रम रॉकेट और हवाई बमबारी अभ्यास का पहला उदाहरण है। चीन के निकट इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधि का विस्तार रणनीतिक रूप से संवेदनशील पूर्वोत्तर सीमांत क्षेत्र में मजबूत सुरक्षा स्थिति का संकेत है। जिला प्रशासन और वन विभाग ने इस अवधि के दौरान लोगों के जंगल में प्रवेश पर रोक लगा दी है। जिला अधिकारी ने कहा, हमने स्थानीय लोगों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने और जान-माल को नुकसान या चोट से बचाने के लिए निर्देश जारी किए हैं। दुलुंग मुख भारतीय वायु सेना के हवाई अभ्यास के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला क्षेत्र है, जो असम के पड़ोसी सोनितपुर जिले के तेजपुर एयर बेस से शुरू होता है।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

प्रदेश आस/पास

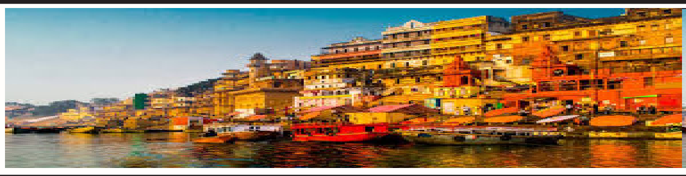

भारत

पत्नी ने पति पर लगाया आरोप, पशु की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। आरोप लगाने वाली पत्नी ने कहा कि सोशल मीडिया दुराचार की घटना का समाचार पूरे क्षेत्र में आग की तरफ फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी

पर चल रही वीडियो गलत है। बकरी अपनी मौत मरी है। इस विषय में कोई प्रार्थना पत्र नहीं मिला है फिर भी बकरी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। दंपती पर विवाद इस कदर बढ़ा कि पत्नी ने पति पर ही बकरी के साथ दुराचार का आरोप लगा दिया। बकरी के साथ पति और बकरी को अपने साथ थाने ले आई, जहां पर मृत बकरी को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार, बेनीपुर क्षेत्र में एक युवक की पत्नी ने सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में अपने पति पर आरोप लगाया कि जब मैं घर से बाहर थी तो पति ने घर के अंदर बंधी बकरी के साथ दुराचार किया।यह खबर क्षेत्र में आग की तरफ गई, जितनी मुंह उतनी बात शुरू हो गई। पुलिस हरकत में आई और आरोपी पति को स्थानीय थाने ले आई। इसके बाद पत्नी ने बताया कि पड़ोसियों के दबाव के कारण मैंने अपने पति पर गंभीर आरोप लगा दिया था।मेरी बकरी पिछले एक हफ्ते से बीमार चल रही थी और मैं उसका दवा भी कर रही थी। बीते मंगलवार को घर से निकलने से पहले बकरी और बकरे को साथ में बांधकर चली गई थी। दोनों ने आपस में संबंध बनाया था। जब मैं वापस घर आई तो देखा की बकरी जमीन पर पड़ी है।पड़ोसियों ने दबाव बनाया कि तुम्हारे पति ने ही शराब के नशे में बकरी के साथ दुष्कर्म किया है। जबकि मेरा पति निर्दोष है। वहीं, थाना प्रभारी विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बकरी के साथ दुष्कर्म की सूचना मिली तो पति-पत्नी को बुलाकर पूछा गया।

जिला बदर बदमाश से पुलिस की मुठभेड़, हिस्ट्रीशीटर अरूण सोनकर घायल, अवैध तमंचा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। जिला बदर के बाद भी जिले में बेखौफ घूम रहे अपराधी को जब पुलिस ने घेरा तब उसने

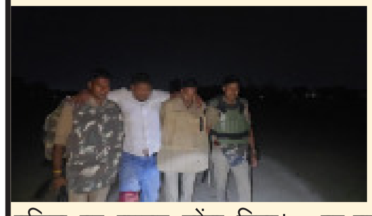

पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में बदमाश को गोली लगी और उसे पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार पकड़ा गया हिस्ट्रीशीटर अरूण सोनकर बताया जा रहा है। घायल होने के बाद अस्पताल में इलाज जारी है। औराई कोतवाली के उगापुर के पास देर रात हुए पुलिस मुठभेड़ में जिला बदर व थाने का हिस्ट्रीशीटर अरुण कुमार सोनकर उर्फ जहरीले सोनकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की ओर से हुए जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। बताया जा रहा है कि बुधवार की देर रात पुलिस की टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच उगापुर स्थित इंद्रमणि तिवारी के लॉन के पास एक युवक की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर पड़ी। पुलिस द्वारा रोके जाने पर आरोपी ने फायरिंग शुरु कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी।गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस (315 बोर) बरामद किया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अरुण सोनकर, जो कि औराई थाना क्षेत्र के कंसापुर हुसैनी का निवासी है।

गोरखपुर में होगी प्रतियोगिता- पुरुषों की 10 और महिलाओं की 8 टीमें करेंगी प्रतिभाग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ, लक्ष्य हैंडबॉल

अकादमी और खेल प्रोत्साहन समिति की ओर से आयोजित किया जा रहा है। पुरुष वर्ग में इंडियन रेलवे, एसएसबी, पंजाब, चंडीगढ़, सीआईएसएफ, केरल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, और मेजबान उत्तर प्रदेश की टीमें भाग लेंगी। जबकि महिला वर्ग में इंडियन रेलवे, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, बिहार, केरल और मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम प्रतियोगिता में भाग लेगी।36वीं महिला एवं पुरुष फेडरेशन कप हैंडबॉल चैंपियनशिप वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में 23 से 26 मई तक खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में देश की सर्वश्रेष्ठ 10 टीम पुरुष वर्ग में और आठ टीम महिला वर्ग में प्रतिभाग करेगी।पूरी प्रतियोगिता में 500 खिलाड़ी और स्पोर्ट्स स्टॉफ की भागीदारी होगी। यह जानकारी बुधवार को पत्रकार वार्ता के दौरान कार्यकारिणी निदेशक हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया डॉ. आनंदेश्वर पांडेय ने दी।उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ, लक्ष्य हैंडबॉल अकादमी और खेल प्रोत्साहन समिति की ओर से आयोजित किया जा रहा है। पुरुष वर्ग में इंडियन रेलवे, एसएसबी, पंजाब, चंडीगढ़, सीआईएसएफ, केरल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, और मेजबान उत्तर प्रदेश की टीमें भाग लेंगी।जबकि महिला वर्ग में इंडियन रेलवे, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, बिहार, केरल और मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम भाग लेंगी। पुल की दो टॉप टीम सेमीफाइनल में खेलेंगी। लक्ष्य अकादमी के डॉ. त्रिलोक रंजन ने बताया कि यह प्रतियोगिता गोरखपुर में पहली बार आयोजित की जा रही है।सभी मैच इनडोर में खेले जाएंगे। डॉ. राजेश यादव ने बताया कि सभी टीमों के रहने और भोजन की व्यवस्था वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में की गई है। कुछ खिलाड़ी होटल में भी रुकेंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के सचिव अमित पांडेय, अरविंद कुमार यादव, संजय राय, नफीस अहमद, अंकित व अन्य मौजूद रहे।

डीएम कुशीनगर का निर्देश- पूर्व सैनिकों की शिकायतों को गंभीरता से लें, कराएं निस्तारित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी।बैठक में उपस्थित 38 पूर्व सैनिक व विधवा महिलाओं ने पटल पर पांच शिकायतें रखीं। इसमें जमीनी विवाद और जीपीएफ भुगतान से संबंधित थे। इन शिकायतों का निस्तारण करने के लिए डीएम ने संबंधित अधिकारियों संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में सिविल डिफेंस कार्पस की स्थापना कर पूर्व सैनिकों व सेवारत सैनिको की समस्याओं का निराकरण पर चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि बैठक में प्राप्त सभी शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि

को निर्देश दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में बृहस्पतिवार को जिला सैनिक बंधु की बैठक हुई। इसमें आए शिकायतों का गंभीरता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के करने के लिए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित 38 पूर्व सैनिक व विधवा महिलाओं ने पटल पर पांच शिकायतें रखीं। इसमें जमीनी विवाद और जीपीएफ भुगतान से संबंधित थे। इन शिकायतों का निस्तारण करने के लिए डीएम ने सामूहिक हित एवं मुद्दों को बैठक में सबसे पहले रखें। बैठक का संचालन प्रभाकर नाथ तिवारी ने किया। इस दौरान विंग कमांडर आलोक सक्सेना, जिला समाज अधिकारी संदीप चौधरी, वरिष्ठ कोषाधिकारी सुनील यादव, परियोजना निदेशक जगदीश तिवारी, डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी, डॉ. मेजर एमके बरनवाल, कैप्टन शमसुद्दीन अंसारी, कैप्टन लाल बहादुर त्रिपाठी, कैप्टन दयाशंकर पांडेय आदि मौजूद रहे।

सीएमओ पांच लाख लेता है, गलत इंजेक्शन से हुई मरीज की मौत नशे में धुत डॉक्टर ने लगाया आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। यूपी के आजमगढ़ में नशे में धुत डॉक्टर का वीडियो गलत इंजेक्शन के कारण मरीज की जान गई।वीडियो में डॉक्टर ने लालगंज के ज्यादातर डॉक्टरों की कर दिया, जिससे लालगंज के चिकित्सा समुदाय में हड़कंप मच गया। यह वीडियो निजी अस्पतालों

वायरल होने के बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। सीएमओ ने इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं। वीडियो में डॉक्टर ने एक निजी अस्पताल पर मरीज की जान लेने का भी आरोप लगाया है। आजमगढ़ जिले में एक वायरल वीडियो ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल दी है। लालगंज के एक हॉस्पिटल के डॉक्टर ने नशे की हालत में, निजी हॉस्पिटल के डॉक्टर की लापरवाही से मरीज की मौत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि योग्यता पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि पांच-सात डॉक्टरों को छोड़कर बाकी केवल पांचवीं या 10वीं पास हैं और बिना डिग्री के अस्पताल चला रहे हैं।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को क्षेत्र से पांच लाख रुपये की वसूली करने का आरोप लगाया है। जिसके चलते अवैध गतिविधियां बेरोकटोक चल रही है। किसी व्यक्ति ने इस बातचीत को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल में मानकों की अनदेखी और कथित भ्रष्टाचार को उजागर करता है।एक वीडियो मेरे संज्ञान में आया है। वीडियो की सत्यता की जांच की जाएगी। वीडियो में जो हत्या की बात कही जा रही उसमे पुलिस कार्रवाई करेगी। वीडियो में जो भ्रष्टाचार का आरोप लगा है उसकी भी जांच कराई जाएगी कि वीडियो में जो व्यक्ति है, वह है भी या फर्जी है। कहने को लोग कुछ भी कह सकते हैं। फिलहाल जांच के बाद ही इसपर कोई बात कह सकता हूं।

स्कूली बस की टक्कर से बालक की मौत, ग्रामीणों ने बस में लगाई आग, पुलिस बोली होगी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। साइकिल से बाजार जा रहे बालक को स्कूली बस ने टक्कर मार दी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बस में जानकारी मुताबिक नंदाव निवासी राज यादव (11) पुत्र शोभई साइकिल से बाजार जा रहा था। वह जैसे ही नंदाव मोड़ के पास पहुंचा ही था तभी तेज नाबालिग था। उसके पास न तो डीएल थे और न ही बस के सभी कागजात। यह भी आरोप लगाया कि जिस बस से हादसा हुआ है वह भी फिटनेस फेल था एसपी

आग लगा दी और चालक के साथ स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सरायमीर थाना क्षेत्र के नंदाव बाजार में बृहस्पतिवार की सुबह साइकिल से बाजार जा रहे बालक को स्कूली बस ने टक्कर मार दी। इससे बालक की मौके पर ही मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए और स्कूली बस में आग लगा दी।मिलते रफ्तार स्कूली बस अनियंत्रित होकर उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में राज की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने बस में आग लगा दी। साथ ही मार्ग को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सरायमीर थाना समेत अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने में जुट गई। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी मौके पर पहुंच गएउन्होंने बताया कि ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूली बस जो चला रहा था वह ग्रामीण चिराग जैन ने राज के परिजनों और ग्रामीणों को समझाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही जली हुई बस को कब्जे में लेकर थाने भिजवा दिया। करीब एक घंटा बाद जाम समाप्त हो सका सरायमीर थाना क्षेत्र के नंदाव से सूचना मिली थी। एक स्कूल की स्कूली बस बच्चों को लेकर जा रही थी। रास्ते में राज साइकिल से बाजार जा रहा था। तभी स्कूली बस ने अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी। इस हादसे में बालक की मौके पर ही मौत हो गई।

अगर आप खरीद रहे हैं पनीर, मिठाई और दूध हो जाएं सतर्क- खप रहा मिलावटी क्विंटल मिल्क पाउडर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। जिले भर में 50 से अधिक जगहों पर इस पाउडर से मिलावटी पनीर बनाया जा रहा है। इस मिल्क पाउडर में फैट के लिए रिफाइंड ऑयल और मिठास के लिए सैकरीन का इस्तेमाल हो रहा है, इस मिल्क पाउडर में फैट के लिए रिफाइंड ऑयल और मिठास के लिए सैकरीन का इस्तेमाल हो रहा है, जो लिवर और आंत को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। शाकाहारी लोग स्वाद के लिए आजकल पनीर को सबसे अधिक तवज्जो दे रहे हैं।

जो लिवर और आंत को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। शाकाहारी लोग स्वाद के लिए आजकल पनीर को सबसे अधिक तवज्जो दे रहे हैं। अगर आप दूध-पनीर और छेना की मिठाई के शौकीन हैं तो खाने से पहले एक बार इनके बारे में खुद भी पता कर लें, क्योंकि आपको मिलावटी सामान खिलाया जा रहा है। शहर में करीब 10 बड़े दुकानदार केवल अब दूध के लिए पाउडर ही बेचते हैं।इनकी दुकान व गोदाम से हर दिन करीब एक हजार क्विंटल मिल्क पाउडर की बिक्री हो रही है। इसका इस्तेमाल चाय की दुकानों पर दूध व मिठाई बनाने में हो रहा है। ऐसे में ये उत्पाद कितने गुणवत्तापूर्ण होंगे, आसानी से समझा जा सकता है।जिले भर में 50 से अधिक जगहों पर इस पाउडर से मिलावटी पनीर बनाया जा रहा है। स्थिति यह है कि अकेले खोवा मंडी में हर दिन करीब 50 क्विंटल पनीर की खपत हो रही है। सहालग में यह बढ़कर 80 क्विंटल तक पहुंच जा रहा है।इसके अलावा बिछिया, मोहद्दीपुर, मेडिकल कॉलेज, सोनौली रोड और फलमंडी इलाके में भी पनीर बनता है। ग्रामीण इलाके में पिपराइच, कैंपियरगंज, भटहट के अलावा खजनी और बड़हलगंज क्षेत्र में भी पनीर बन व बिक रहा है। बाजार के सूत्रों का अनुमान है कि जिले में हर दिन करीब 400 क्विंटल पनीर की खपत है।बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर मिल्क पाउडर और रिफाइंड का प्रयोग कर कृत्रिम पनीर बन रहा है। इसका असर बाजार पर पड़ रहा है और गोरखपुर में मिल्क पाउडर की प्रतिदिन की खपत एक हजार क्विंटल को पार कर गई है। एक साल में तीन से चार दुकानें मिल्क पाउडर की बढ़ी हैं।मिठाई बनाने के कारीगर राजाराम ने बताया कि एक किलो पनीर बनाने में करीब 250 ग्राम पाउडर की जरूरत होती है। पाउडर को अच्छी तरह से घोलने के बाद इसमें नींबू का रस मिलाया जाता है, जिससे वह दही जैसा बन जाता है। इसे कपड़े में बांधकर ठंडे पानी में डुबोया जाता है।इसके बाद फ्रिज में रख दिया जाता है। इस तरह से तैयार पनीर में करीब 200 ग्राम पानी और 800 ग्राम ठोस पदार्थ होता है। बाजार में पनीर व छेना की मिठाई बनाने के लिए अलग मिल्क पाउडर है, जिसकी कीमत 270 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम है।वहीं, चाय वाला मिल्क पाउडर भी 300 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास है। इनमें ब्रांडेड से लेकर लोकल कंपनियों तक के उत्पाद शामिल हैं। यह पाउडर पांच व 10 किलोग्राम के पैकेट में है। वहीं, एक किलोग्राम व 500 ग्राम वाले मिल्क पाउडर भी हैं, जिनकी कीमत 500 से 600 रुपये प्रति किलोग्राम है।मिल्क पाउडर को बनाने के लिए उसे फैट शून्य करना पड़ता है। केवल डेनमार्क से आने वाले उच्च श्रेणी के मिल्क पाउडर में ही कुछ मात्रा में फैट पाया जाता है। इसीलिए पाउडर से दूध बनाते समय उसमें फैट के लिए रिफाइंड ऑयल डाल दिया जाता है।इसे अधिक सफेद बनाने के लिए व्हाइटनर का इस्तेमाल होता है। अगर पाउडर से केवल चाय के लिए दूध बनानी हो तो उसमें रिफाइंड की जगह सैकरीन का इस्तेमाल होता है, ताकि दूध में मिठास बनी रहे। इसके अलावा मिठाई बनाने के लिए तैयार दूध में भी सैकरीन का इस्तेमाल होता है।

मन्नत पूरा करने परिवार गया तरकुलहा, घर के लड़के का अपहरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एक बालक के अपहरण होने की सूचना पर तत्काल पुलिस टीमें सक्रिय हो गई थी। देवरिया से बच्चे को ढूंढ निकाला गया है। घटना में शामिल लोगों के बारे में पता चल गया है। उनकी तलाश चल रही थानाक्षेत्र के वार्ड नंबर 20 गोपालपुर निवासी जगदीश सिंह बुधवार को छोटे बेटे लकी सिंह (11) की मन्नत पूरा करने के लिए तरकुलहा मंदिर आए थे। लकी सिंह की तबीयत बराबर खराब रहती थी।तबीयत ठीक हो जाने पर बकरे की बलि देने का मन्नत माना गया था। बुधवार को

है। चौरीचौरा क्षेत्र के तरकुलहा मेला परिसर से बुधवार को 11 वर्षीय बालक के अपहरण की सूचना पर हड़कंप मच गया। पिता ने डायल 112 पर बेटे के लापता होने की जानकारी दी। सूचना के बाद एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव पुलिस टीम के साथ पहुंच गए।रात आठ बजे सूचना पर हरकत में आई पुलिस ने तीन घंटे में 11 बजे देवरिया से बालक को सकुशल ढूंढ निकाला। बताया जा रहा है कि किसी रिश्तेदार ने ही अपहरण कराया था। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर चौरीचौरा पुलिस पूछताछ कर रही है।जानकारी के मुताबिक, कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली जगदीश सिंह अपने परिवार व रिश्तेदारों के साथ तरकुलहा पहुंचे थे, जहां पर बलि के बाद खाना बन रहा था। इसी बीच लकी सिंह अपने साथ के कुछ बच्चों के साथ मेले में घूमने के लिए गया और लापता हो गया।काफी देर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू कर दी, लेकिन नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एक बालक के अपहरण होने की सूचना पर तत्काल पुलिस टीमें सक्रिय हो गई थी। देवरिया से बच्चे को ढूंढ निकाला गया है। घटना में शामिल लोगों के बारे में पता चल गया है। उनकी तलाश चल रही है।

ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित रहा करछना रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्यक्रम, पीएम मोदी ने किया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। अमृत भारत स्टेशन के तहत विकसित किए गये करछना रेलवे स्टेशन का लोकार्पण समारोह भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित रहा। बृहस्पतिवार को करछना रेलवे स्टेशन पर हुए समारोह में देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को मुख्य पंडाल भी तिरंगे की थीम पर रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिति केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल रहीं।अमृत भारत स्टेशन के रूप मे विकसित हुए करछना रेलवे स्टेशन के लोकार्पण समारोह में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश मे बुलेट ट्रेन का संचालन शुरू हो

उत्साहपूर्ण बना दिया है। अमृत भारत स्टेशन के तहत विकसित किए गये करछना रेलवे स्टेशन का लोकार्पण समारोह भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित रहा। बृहस्पतिवार को करछना रेलवे स्टेशन पर हुए समारोह में देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया है। स्टेशन को फूलों की मालाओं और सेना के शौर्य को दर्शाने वाले स्टैंडों से सजाया गया। यहां का जाएगा। देश में ही निर्मित वंदे भारत अद्भुत यात्रा का एहसास करा रही है।आज पूरे देश में रेलवे रेल अंडर ब्रिज और रेलवे ओवर ब्रिज का जाल बिछ गया है। इससे आम लोगों को बड़ी राहत मिली है।करछना रेलवे स्टेशन पर आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे भारत की जीवन रेखा है। कहा कि जब रेलवे का विकास होता है तो देश का विकास होता है। जब देश का विकास होता है तो आम जनता का विकास होता है। अनुप्रिया ने कहा कि अब पूरे देश में मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को खत्म किया जा रहा है। बड़ी संख्या में इसमें सफलता भी मिल चुकी है. आने वाले समय में जब कवच पूरी तरह से लैस हो जाएगा तो दुर्घटनाएं शून्य स्तर पर पहुंच जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देशभर के रेलवे स्टेशनों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। अब रेलवे स्टेशन पर टिकट के लिए लंबी लाइन नहीं लगती, बल्कि मोबाइल पर ही टिकट मिल जाता है। ट्रेनों में बायो टॉयलेट से लेकर सीसीटीवी तक, नए रेलवे ट्रैक से लेकर नई बिल्डिंग तक बन रही है। हमारी सरकार ने रेलवे कि तस्वीर बदली है। रेलवे के विकास में चार प्रमुख स्तंभ है। पहला रेलवे के ढांचे का आधुनिकीकरण, दूसरा यात्री सुविधा, तीसरा देश के कोने-कोने मे कनेक्टिविटी तो वहीं चौथा रोजगार सृजन और उद्योग को बढ़ावा। हमारी सरकार इन्हीं चारों स्तंभों पर रेलवे को विकसित कर रही है। देशभर में 1300 अमृत भारत स्टेशन विकसित होने हैं। पूरे देश को डीएफसी से जोड़ना है। रेलवे में हमारी सरकार द्वारा 5 लाख नौकरी दी जा चुकी है। नई टिकटिंग प्रणाली जैसी योजना से रोजगार का सृजन किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश

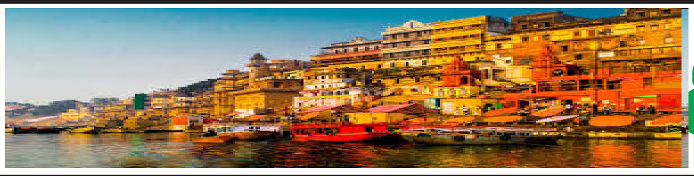

भारत

आवेदकों का साक्षात्कार 24 मई को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उपयुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद विशेष उत्पाद हेतु चिन्हित काष्ठ कला (वुड वर्क) उत्पाद से सम्बन्धित सामान्य तकनीकी प्रशिक्षण, क्राफ्ट की बेसिक एवं एडवांस्ड ट्रेनिंग सम्पादित कराया जाना है। यह योजना मा0 मुख्यमंत्री जी प्राथमिकता बिन्दुओं में से एक है जिसमें प्रशिक्षार्थियों को 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिलाये जाने हेतु लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसके ऑन-लाइन आवेदनपत्र प्राप्त करने हेतु प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई थी। उन्होंने कहा कि इससे सम्बन्धित आवेदको का साक्षात्कार शासन द्वारा गठित समिति द्वारा 24 मई 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कार्यालय, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली में किया जायेगा। उन्होंने सभी आवेदकों को सूचित किया है कि अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ साक्षात्कार में समय से उपस्थित हों।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का 15 जून तक अवकाश घोषित : डीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि वर्तमान में जनपद के समस्त प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 20 मई 2025 से ग्रीष्मकालीन अवकाश है। अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्र प्राथमिक विद्यालयों में संचालित है और आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चे प्राथमिक विद्यालय के बच्चो से भी छोटे होते हैं। वर्तमान में भीषण प्रचंड गर्मी एवं लू चलने के दृष्टिगत बच्चों के बचाव हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का 15 जून 2025 तक अवकाश घोषित किया जाता है।जिलाधिकारी ने बताया कि इस घोषित अवकाश की अवधि में 03 से 06 वर्ष आयु के बच्चों की उपस्थिति केन्द्र पर नहीं होगी परन्तु जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्र निर्धारित समयानुसार खुले रहेंगे तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका आंगनबाड़ी केन्द्र पर समय से उपस्थित रह कर आंगनबाड़ी केन्द्र पर दी जाने वाली सेवाएं यथा-अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण, टीकाकरण, सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग तथा 0-6 वर्ष के बच्चो की ग्रोथ मॉनिटरिंग आदि लाभार्थी परक सेवाएं आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से यथावत् करेंगी।

डीएम ने राणा बेनी माधव बख्श सिंह आडिटोरियम के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेला। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ

यशवीर सिंह के साथ राणा बेनी माधव बख्श सिंह आडिटोरियम के निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त परियोजना लगभग 21 करोड़ की है, परियोजना का पूर्ण करने का समय सीमा 31 जुलाई 2025 है, समय सीमा के अन्तर्गत कार्यपूर्ण कर लिया जायगा, लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है फिनसिंग का कार्य शेष है जो कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य को मानक के अनुरूप समयबद्ध पूर्ण कराया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, यूपीपीसीएल के एई संदीप सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्था प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मा0 विधायक सदर ने 37 दिव्यांगजनों को 63 कृत्रिम अंग सहायक उपकरण किए वितरित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग सहायक उपकरण योजना अंतर्गत जनपद के दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम रतापुर स्थित सामुदायिक केन्द्र के परिसर में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मा0 विधायक, सदर अदिति सिंह व जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मा0 विधायक सदर द्वारा दिव्यांगजनों के लिए सरकार के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं पर प्रकाश डाला गया एवं दिव्यांगजनों को सरकार की समस्त योजनाओं से अवगत कराया गया। इसके पश्चात मा0 विधायक, सदर, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी चिन्हित पात्र 37 दिव्यांगजनों को कुल 63 उपकरण जिसमें ट्राई साइकिल 28, बैसाखी 26, व्हीलचेयर 05, स्मार्टकेन 04 वितरित किये गये, इसके अतिरिक्त 07 नवीन दिव्यंग्यानों का विभिन्न योजनाओं हेतु चिन्हांकन किया गया।

देर रात तक चला सेंट्रल बार एसोसिएशन की मतगणना का कार्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। कांटे की टक्कर में राकेश तिवारी ने अपने निकटतम

प्रतिद्वंदी सुरेश चंद यादव को दो मतों से हराकर अध्यक्ष पद पर जीत प्राप्त की। वही महामंत्री पद पर योगेंद्र कुमार दीक्षित ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संजय प्रताप सिंह को 229 मतो से हराकर जीत हासिल की ,उन्होंने कुल 588 मत प्राप्त किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संतोष कुमार शुक्ला ने संतोष कुमार पाल को 09मतों से हराया । उपाध्यक्ष के दो पदों पर मुकेश बाजपेई कल 496 मत व राघवेंद्र सिंह कुल 410 मत पाकर विजई रहे। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सर्वेद प्रताप सिंह 550 मत पाकर सफल हुए , सुनील कुमार तिवारी 636मत पाकर सफल रहे। संयुक्त मंत्री के तीन पदों पर गोविंद बहादुर सिंह 617, शुभम अवस्थी 439 व सुभाष श्रीवास्तव 413 मत पाकर चुने गए। इसी प्रकार वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए हिमांशु धर सिंह 496 मत, संजय मिश्रा 451मत, मुकेश कुमार सिंह 450 मत, करुणेंद्र मिश्रा 439 मत, अनुपम उपाध्याय 431 मत व कमलेश यादव 409 मत पाकर चुने गए। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों के लिए अभिषेक श्रीवास्तव, मुकेश कुमार अकेला, राहुल दीक्षित, तुषार भारती, रेशमा बानो व आनंद कुमार दीक्षित निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए । निर्वाचित पदाधिकारियो की घोषणा एल्डर कमेटी के अध्यक्ष मानू प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर सदस्य शंकर लाल गुप्ता ,राम बहादुर सिंह ,सत्येंद्र बहादुर सिंह ,डीपी पाल , ओ.पी.सिंह ,शिवकुमार शुक्ला ,धीरेंद्र पाल सिंह, देवेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय बर्ड फ्लू टास्क फोर्स समीक्षा बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेला। जनपद स्तरीय बर्ड वर्ड फ्लू टास्क फोर्स समीक्षा बैठक बचत भवन स्थिति कलेक्ट्रट सभागार में हुई। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल

कुमार ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नवीन चंद्र की उपस्थिति में एवियन इंफ्लुयन्जा (बर्ड फ्लू) के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विषाणु द्वारा होने वाला रोग है। यह पशु,पक्षी और मनुष्य को भी संक्रमित करता है। डॉ अनिल ने बताया कि पक्षियों में यह विषाणु प्रवेश करने के कुछ घंटे से तीन दिन तक रहता है। यह संक्रमित पक्षियों की आंख ,श्वास नलिका व बीट के संपर्क में आने से पक्षी और मनुष्य में फैलता है। संक्रमित पक्षियों और कुक्कुट प्रक्षेप के प्रयोग में आने वाली समस्त सामग्री, उपकरणों के संपर्क में आने से यह रोग फैल सकता है। विदेशी, प्रवासी व जंगली पक्षी इस रोग के कैरियर का कारण होते हैं। पक्षियों में संक्रमण होने पर ज्वार आना, फेटल कलगी वह पैरों का बेगानी हो जाना, पक्षियों के गर्दन तथा आँख के निचले हिस्से में सूजन, हरे व लाल रंग की बीट मुख्य लक्षण दिखाई देते हैं।बैठक में एपिडर्मोलॉजिस्ट ऋषि बागची ने बर्ड फ्लू के लक्षण और बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बर्ड फ्लू मनुष्य में पशु पक्षियों के द्वारा फैलता है। मानव लक्षणों में सर्दी,जुकाम, गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, सांस लेने में तकलीफ यकृत, गुर्दा और फेफड़ों का काम करना बंद हो सकता है। लक्षण दिखाई देने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से इसका उपचार अवश्य कराए।मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी पशु चिकित्साधिकारी समय-समय पर गौशालाओं और पोल्ट्री फर्मों का निरीक्षण करें। साथ ही संचालकों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दें। रोग से बचाव की जानकारी देते हुए डॉ अनिल ने बताया कि पक्षी फॉर्म, पक्षी अभ्यारण, जलाशय, झील के आसपास ना जाए। पक्षी फॉर्म के आसपास सूअर पालन न करें। फॉर्म के आसपास सफाई रखें तथा कूड़ा करकट व गंदगी इकट्ठा न होने दें। मृत पक्षियों का डिस्पोजल निस्तारण गड्ढे में दबाकर किया जाए। नियमित रूप से फार्म का लिटर बदलते रहे तथा समय-समय पर विसंक्रमण कार्रवाई करते रहें बैठक में सभी पशु चिकित्साधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्रह्म समाज की मासिक बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। श्री परशुराम ब्रह्म चेतना परिषद उत्तर प्रदेश रायबरेली का ब्रह्म समाज के द्वारा आयोजित एक मासिक बैठक निराला नगर स्थित

संतोष पांडे के आवास पर की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित संदीप मिश्रा के द्वारा स्वस्तिवाचन एवं भगवान परशुराम जी की आरती के साथ की गई। उक्त अवसर पर मथुरा वृंदावन से पधारे संत शिरोमणि स्वामी गोपाल शरण जी महाराज का सम्मान मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी एवं संरक्षक संतोष पांडे जिला अध्यक्ष राजेश पांडे के द्वारा अंग वस्त्र पहनाकर एवं रोली चंदन टिका लगा करके किया गया। स्वामी जी के द्वारा भगवान परशुराम जी के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान विष्णु जी के छठे अवतार भगवान राम का जन्म महर्षि जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका के उदर से हुआ। महान पराक्रमी शास्त्र और शास्त्र के ज्ञाता भगवान परशुराम को भगवान शिव के द्वारा प्रदत अस्त्र फरसा प्रदान करने के कारण इनका नाम भगवान परशुराम पड़ा ।इसी क्रम में सर्वप्रथम अलंकार शर्मा के द्वारा आरती पूजन के साथ बैठक का शुभारंभ किया गया। बैठक में उपस्थित ब्रह्म समाज के द्वारा 29 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की समीक्षा बैठक भी की गई। उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम की सालाना भी किया। सभी विप्र बंधुओ ने ब्रह्म समाज की एक जुटता अखंडता एवं आर्थिक विकास पर विचार प्रस्तुत किये। राजन दीक्षित के द्वारा कहा गया कि परिषद के पदाधिकरियो के कार्यों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारीयों को जिम्मेदारी सौंप जाए। यमुना शंकर द्विवेदी ने कहा कि कार्यक्रम में सभी लोग समय से उपस्थित हो एवं कार्यक्रम के समापन तक समर्पण भाव से समय का दान करें। इसी क्रम में देवी शंकर शुक्ला हास्य से भरपूर मनोरंजन कथाएं सुनाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर हनुमान चालीसा का पाठ मंटू शुक्ला एवं उपस्थित ब्रह्म समाज के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन पंकज मिश्रा के द्वारा किया गया। उपस्थित ब्रह्म समाज को संतोष पांडे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। परिषद की अगली बैठक 25 जून की होगी। इस अवसर पर संतोष तिवारी, रामराज गिरी, भुवन पांडे, मंटू शुक्ला, राजेंद्र अवस्थी, संतोष पांडे, सुशील बाजपेई, पंकज मिश्रा, अलंकार शर्मा, सुशील तिवारी, देवी शंकर शुक्ला, मोतीलाल अवस्थी,श्रवण कुमार शुक्ला, यमुना शंकर द्विवेदी,राम प्रसाद शुक्ला, रोहित पांडे, अनुराग पांडे, राम भोले शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

दुकान खोलने जा रहा था मालिक, रास्ते में मौत कर रही थी इंतजार; मुआवजे के लिए प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। करंट से युवक की मौत की सूचना मिलते ही दोकटी थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया। बिजली विभाग के अफसरों के आश्वासन पर नाराज लोग मान गए। बलिया के लालगंज क्षेत्र का एक किराना दुकानदार रास्ते में रात के समय गिरे हाईटेंशन लाइन की जद में आ गया। करंट

लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इससे गांव में मातम पसर गया है। सूचना पर पहुंची दोकटी पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा। परिजनों रोते रोते बुरा हाल हो है।दलकी नंबर एक पंचायत के सुरेमनपुर पुरवा निवासी राजन गुप्ता (38) पुत्र स्व. अंबिका गुप्ता गुरुवार को पांच बजे भोर में सेमरिया चट्टी स्थित किराना की दुकान खोलने मोटरसाइकिल से जा रहे थे। लगन टोला गांव के सामने बीएसटी बंधे पर लगे ट्रांसफार्मर के पास एचटी लाइन का तार रात में रास्ते पर गिरा था।इसकी जद में मोटरसाइकिल आ गई। इससे दुकानदार की मौत मौके पर ही हो गई। आननफानन उसे सीएचसी सोनबरसा ले जाया गया, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर थानाध्यक्ष दोकटी हरिशंकर सिंह पहुंचे। शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी रेखा देवी (37), तीन बेटियां प्रिया, प्रीति और परी को छोड़ गया है। परिजनों का रोते रोते बुरा हाल है। हाई टेंशन तार गिरने को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हैं।बिजली ठीक करने पहुंचे लाइनमैन के सामान को ग्रामीण अपने में कब्जे में लेकर उच्चाधिकारियों को बुलाने की मांग करने लगे। लगभग एक घंटे बाद बिजली निगम के एसडीओ अंबुज तिवारी और अवर अभियंता अभिराम पांडेय मौके पर पहुंचे। निगम की लापरवाही से जान जाने का आरोप लगाते हुए तात्कालिक सहायता के साथ पूर्ण आर्थिक सहायता की मांग करने लगे। थानाध्यक्ष दोकटी हरिशंकर सिंह ने सभी को थाने पर ले गए। अधिकारियों ने तात्कालिक लाभ के रूप में मृतक के परिजन को 20 हजार और शेष साढ़े सात लाख रुपए आर्थिक सहायता 10 दिनों के अंदर देने के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

स्कूटी की टक्कर से सड़क पर गिरे दो युवक, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी के बलुआघाट-पहड़ियां मार्ग पर सड़क हादसे की सूचना पाकर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां एक युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। चौबेपुर थाना क्षेत्र के बलुआघाट-पहड़ियां मार्ग पर बीती रात सड़क दुर्घटना में 25 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवम कुमार पांडेय पुत्र सुरेश चंद्र के रूप में हुई है, जो भोपतपुर, थाना बड़ागांव का निवासी था। यह दुर्घटना रात करीब 12:20 बजे उस समय हुई जब शिवम पांडेय अपनी बाइक से दोस्त के घर से भोजन करने के बाद मौसी के घर से वापस घर लौट रहे थे।वह मिश्रपुरा बलुआघाट की ओर जा रहे थे और विपरीत दिशा से आ रही एक स्कूटी से उनकी टक्कर हो गई।

मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 रहेगी मतदाताओं की संख्या, ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में बनाए जाएंगे अतिरिक्त मतदान केंद्र

चुनावी प्रक्रिया सहित अन्य प्रक्रियाओं को सरल व सुलभ बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की 18 नई पहल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल 22 मई 2025भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल व सुविधा जनक बनाने के लिए 18 नई पहल शुरू की गई है। आयोग द्वारा मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 तक सीमित कर दी गई है। ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मतदाता सूची अद्यतनीकरण के लिए, मृत्यु पंजीकरण का डेटा सीधे आरजीआई डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा। सत्यापन के बाद इसे अद्यतन किया जाएगा। मतदाता सूचना पर्चियों को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाया जाएगा। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। सीईओ/डीईओ/ईआरओ स्तर पर अखिल भारतीय सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गईं। 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गईं। इसमें (सीईओ-40/डीईओएस-800/ईआरओएस-3879) और 28,000 से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों आप/भाजपा/बसपा/माकपा/एनपीपी के प्रमुखों के साथ चुनाव आयोग ने बैठकें की। आईआईआईडीईएम (बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी) में राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम किया गया। सभी हितधारकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए नए एकीकृत डैशबोर्ड - ण्ंध्ज्ञ्ँ की शुरूआत की गई। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर के मुद्दे का समाधान किया गया। अद्वितीय ईपीआईसी नंबर के लिए नई व्यवस्था लागू की गई। मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने की पूरी प्रक्रिया राजनीतिक दल, उम्मीदवार और अन्य शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक हितधारक के लिए आयोग के अधिनियमों, नियमों और निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियाँ तैयार की जा रही हैं। बीएलओ से बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। आईआईआईडीईएम में सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ कार्यालयों के एसएमएनओएस और एमएनओ के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

में 28 हितधारकों की पहचान की गई, जिनमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, मतदाता पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के आधार पर मतदाता, चुनाव अधिकारी, मानक फोटो पहचान पत्र प्राप्त किया जाएगा। आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 3000 से अधिक बूथ स्तरीय पर्यवेक्षकों को पहले ही घ्घ्ध्ंिशि् में प्रशिक्षित किया जा चुका है। अगले कुछ वर्षों में 1 लाख से अधिक आयोजित किया गया। आईआईआईडीईएम में बिहार के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बायोमेट्रिक उपस्थिति का कार्यान्वयन किया गया। ई-ऑफिस का संचालन और क्रियान्वयन के साथ ही सीईओ के साथ नियमित बैठकें की जा रही है।

तीन माताओं की गोद सुनी, दो घरों के बुझ गए चिराग, पूजा की खुशियां मातम में बदलीं; गाजीपुर में दर्दनाक हादसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। जिले के नरवर गांव में दर्दनाक हादसे की सूचना पाकर मौके पर एसडीएम सहित कई अधिकारी पहुंच गए थे। लेखपाल को घटना की रिपोर्ट बनाने को निर्देशित कर दिया गया था। हादसे के दूसरे दिन मृतकों और घायलों के परिवार में मातम का माहौल बना रहा।गाजीपुर के नरवर गांव में हुए दर्दनाक हादसे ने तीन माताओं की गोद सुनी कर दी। दो घरों के चिराग बुझ गए। दो बेटों को खो चुकी चांदमुनी सदमे में घर के सामने दीवार की नींव पर खामोश बैठी थीं। इकलौते भाई की मौत की खबर सुनकर जिंपी रह-रहकर अचेत हो जा रही थी। पति को खो चुकी पत्नी रीमा रो रही थी तो मां को देख मासूम बेटी भी बिलख उठती थीकन्नू यादव के पुत्र रविंद्र यादव उर्फ कल्लू अंतरराष्ट्रीय पहलवान थे। वह अंबेडकर नगर जिले में पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर तैनात थे। कन्नू यादव के छोटे बेटे गोरख यादव उर्फ अजय घर पर ही रहते थे। घर पर काशीदास बाबा की पूजा में शामिल होने के लिए तीन दिन पूर्व रविंद्र यादव घर आए थे।सुबह बांस में आम का पल्लव बांधने के बाद मंडप में खड़ा करते

समय हाइटेंशन तार की चपेट में आने से रविंद्र यादव, गोरख यादव और हीरालाल यादव के बेटे अमन की अस्पताल में मौत हो गई। दोनों बेटों की मौत की खबर पर मां चांदमुनी देवी घर के बाहर सड़क किनारे दीवार की नींव पर खामोश बैठी थीं।महिलाएं उन्हें बुलवाने का प्रयास कर रही थीं, लेकिन बेटों की मौत का उन्हें ऐसा सदमा लगा कि आंसू तक सूख गए। इधर, बेटी पारो को गोद में लेकर रविंद्र की पत्नी रीमा पति को याद कर बिलख रही थी। मां को रोते देख एक वर्षीय पारो भी रह-रहकर बिलख उठती थी।कुछ दूरी पर इकलौते भाई अमन यादव को याद कर बहन नीतू, पिंकी और जिंपी रोते-रोते अचेत हो जा रही थीं। मां सुनीता की स्थिति ऐसी हो गई थी कि जो देख रहा था, उसका कलेजा फट जा रहा था।परिवार व समाज से परे होती है मित्रता। कुछ ऐसा ही दृश्य नरवर गांव में देखने को मिला। हादसे में मित्रों को खोने का गम कांपती जुबान व आंखों से बहते आंसू दर्द की कहानी बयां कर रहे थे। कोई रात में आयोजन स्थल पर तैयारियों में साथ-साथ रहने तो कोई फोन न उठा पाने की पीड़ा से सिसकता दिखाई पड़ा।आसमान की तरफ देख ईश्वर से यहीं पूछ रहे थे कि आखिर ऐसा क्यों? अभी तो कई कदम साथ चलने थे। बचपन के दोस्त अमन को यादकर वीरेंद्र यादव की आंखें भर आईं। कक्षा दो से हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा के बाद अमन पास के ही एक स्कूल से आईटीआई की पढ़ाई करने लगा और मैं वाहन चालक बन गया।फोन पर पर रोज बात होती थी। आखिरी बार 19 मई की रात अमन से बात हुई थी। मोबाइल टूट गया था। 20 मई की रात अमन ने फोन किया तो थकने के कारण सो गया था। दूसरी सुबह अमन से मिलने पहुंचा तो पता चला कि हादसे ने उसे हमेशा-हमेशा के लिए छीन लिया है। यह कहकर वीरेंद्र फफक पड़े।

मिर्जापुर, सोनभद्र

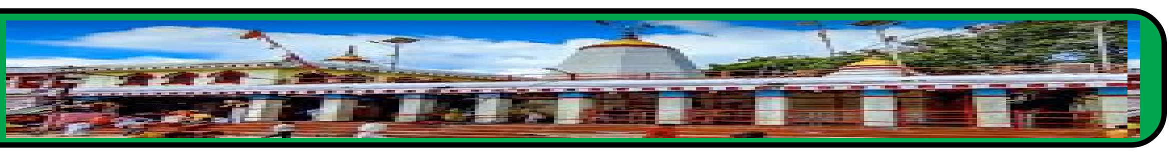

11 वैदिक विद्वानों के यजुर्वेद मंत्र पाठ से क्षेत्र हो रहा है गूंजयमान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज ब्लॉक के बरैला महादेव मंदिर प्रांगण में छठे वर्ष चल रहे अभिषेकात्मक रुद्र

महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ के चतुर्थ दिवस में यज्ञाचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज के द्वारा देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक श्रृंगार पूजन कर समाज क्षेत्र विश्व कल्याणार्थ किए जा रहे यज्ञ में आए सभी सैकड़ो श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि तीन प्रकार की यज्ञ विशेष रूप से वैदिक परंपरा के अनुसार शास्त्रोक्त विधि से कराई जाती है , हवनात्मक, पाठात्मक,अभिषेकात्मक , जिसमें शिव महापुराण में बताया गया है कि कलयुग मे श्री अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं श्री राम कथा का विशेष स्थान है इसलिए 11 वैदिक विद्वानों के यजुर्वेद मंत्र पाठ से क्षेत्र हो रहा है गूंजयमान हो रहा है मंदिर प्रांगण में ही रात्रि कालीन प्रवचन के दौरान वाराणसी से पधारी मानस गंगा सुप्रसिद्ध कथा वाचिका प्रियंका पांडे के द्वारा भगवान श्री राम जी के विवाह का दिव्य प्रकरण सुनाया गया मानस की चौपाई प्रात काल उठकर रघुनाथा। मातू पिता गुरु नावही माथा।। अर्थात हर बालक बेटी के अंदर भगवान श्री राम जी के चरित्र को उतारना जरूरी है, आजमगढ़ से पधारे मानस वक्ता सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित बाल गोविंद शास्त्री जी महाराज ने मानस की चौपाई गुरु गृह गयऊ पढ़न रघुराई। अल्पकाल विद्या सब आई।। अर्थात जिस प्रकार भगवान श्री राम को थोड़े ही समय में सारी विद्याएं आ गई इस प्रकार अगर कोई बालक या बेटी गुरु के घर गुरु भक्ति करते हुए शिक्षा अध्ययन करता है वह निश्चित रूप से श्री राम की तरह पूजनीय हो जाएगा क्योंकि भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा था रथ हांकब समझाईब बाता। चक्र सुदर्शन गहब न हाथा।। अर्थात भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन का साथ तीर धनुष से नहीं बल्कि धर्म के अनुसार बुद्धि और सारथी के रूप में कर दिए इसलिए जब हम धर्म करेंगे तो भगवान शिव हमारी रक्षा स्वयं करेंगें मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पति इंजीनियर अखिलेश चतुर्वेदी इंजीनियर जितेंद्र त्रिपाठी अरविंद शरण सिंह के द्वारा डॉक्टर कुसुमाकर श्रीवास्तव एवं भूवंर कॉस्मेटिक के मालिक संतोष केसरी को बरैला महादेव की दिव्य प्रतिमा देकर के सम्मानित किया गया राम कथा मंच पर इस मौके पर रामलाल पांडे श्याम सुंदर पांडे कमलेश मिश्रा पंडित सतीश शुक्ल दीपेंद्र विद्यार्थी विनय चतुर्वेदी धीरज शास्त्री राजकुमार पांडे आदि सैकड़ो श्री राम भक्त एवं शिव भक्त मौजूद रहे।

पिकअप और टीपर में हुई जोरदार टक्कर एक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चोपन सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र

अंतर्गत सिंदुरिया-जुगैल मार्ग पर स्थित नायरा पेट्रोल टंकी के समीप एक तीव्र मोड़ पर भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा उस समय हुआ जब एक टीपर सिंदुरिया से जुगैल की ओर जा रहा था, तभी जुगैल से सिंदुरिया की ओर आ रही पिकअप टाटा मैजिक ने सामने से तेज रफ्तार में आकर टीपर में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में टाटा मैजिक का चालक, जिसकी उम्र लगभग 42 वर्ष बताई जा रही है और जिसकी शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है, गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना होते ही आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया। हालांकि चिकित्सकों ने काफी प्रयास किया लेकिन उसकी मृत्यु हो गई। इधर, हादसे के बाद टीपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को सड़क से हटवा कर किनारे सुरक्षित खड़ा कराया गया, जिससे यातायात व्यवस्था बहाल की जा सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है एवं फरार टीपर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

लाइनमैन के मनमानी पर हिन्दू राष्ट्र शक्ति ने जताया आक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।हिन्दू राष्ट्र शक्ति बैनर तले कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को लाइनमैन के मनमानी को लेकर

अधिशाशी अभियंता रॉबर्ट्सगंज को पत्र देकर जताया विरोध । ग्रामीणों ने बताया की हम ग्रामवासी पटवध कन्हौरा नगपुर महदेवा के निवासी है। दुबेपुर सब स्टेशन के वैनी फिटर के लाइन मैंन ड्यूटी समय में नसे में धुत रहता है, और ये चार गावं की सप्लाई आये दिन बाधित करता रहता है। जब चाहे पोल पर चढ़कर बिजली काट देता है, और फोन करने पर फ़ोन नहीं उठता है, अगर फ़ोन उठता भी है तो कहता है, जो उखाड़ना है उखाड लो मेरा जब मन करेगा तब लाइट जाएगी ,वहीं ग्रामीणों ने अधिशासी अधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए इस प्रकरण की जाच करते हुए एवं कृष्ण कुमार लाइन मैंन को निलंबित करने की कृपया करे । वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अगर उसको निलंबित नहीं किया जाता है तो हम ग्रामवाशी उग्रआन्दोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी जवाब दे ही आपके विभाग कीहोगी ।इस मौके पर छोटे लाल यादव, संगीता, श्री प्रकाश शुक्ला, ऋषि राज शुक्ला, बहादुर भारती, अनिल यादव , अरविंद, विपुल सहित आदि लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ता के आर्थिक हितार्थ कल्याण निधि की स्थापना को सयुक्त बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अधिवक्ता के आर्थिक सहयोग के लिए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र व सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र की संयुक्त बैठक वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष भोला सिंह यादव के अध्यक्षता में संपन्न हुई ! जिसमें अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु दोनों बार अलग-अलग अधिवक्ता कल्याण न्यास बनने पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया संयुक्त बार बैठक को संबोधित करते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु अधिवक्ता कल्याण न्यास का गठन एक दूरदर्शी एवं अधिवक्ताओं के हित में है जहां अधिवक्ताओं की बात होती है वहां डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र हमेशा खड़ा रहता है ! हमारा बार डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र अधिवक्ता कल्याण न्यास के गठन के लिए तैयार है इसके गठन से सभी वर्गों के अधिवक्ताओं का उत्थान होगा तथा उन्हें सभी के सहयोग से न्यास के माध्यम से आर्थिक सहयोग दिया जा सकेगा सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के पूर्व अध्यक्ष विनोद कुमार चौबे ने कहा कि अधिवक्ताओं के समग्र विकास तभी होगा जब हमें किसी आकस्मिक समय पर बार आर्थिक सहयोग करता है तभी हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं इसी को ध्यान में रखते

हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन व सोनभद्र बार एसोसिएशन की सयुक्त बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से पास हुआ कि दोनों संगठन अपना अलग-अलग अधिवक्ता कल्याण न्यास बनाएंगे, इसके लिए सोनभद्र बार एसोसिएशन की तरफ से तरफ से अधिवक्ता विनोद कुमार चौबे व शारदा प्रसाद मौर्य को जिम्मेदारी दी गई तथा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की तरफ से यह जिम्मेदारी अधिवक्ता पवन कुमार सिंह व राजेश कुमार यादव को दी गई ! यह लोग दो दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे संचालन अधिवक्ता राजेश कुमार मौर्य ने किया संयुक्त बैठक में प्रदीप कुमार मौर्य, सुरेश सिंह कुशवाहा, राम गुल्ली यादव, चंद्र प्रकाश सिंह, विमल प्रसाद सिंह, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, कामता प्रसाद यादव, रमेश चंद्र सिंह, टीटू गुप्ता, शाहनवाज आलम खान, राजकुमार सिंह, अविनाश यादव आदि लोग मौजूद रहे ।

युवा देश के ऐसा सैनिक है जिसके बल पर यह राष्ट्र मजबूत होता हैः इंद्रेश जी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश माहामंत्री देवेंद्र भाई पटेल के नेतृत्व में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर गुरुवार को आयोजन किया गया मुख्य अतिथि के रूप में इंद्रेश कुमार अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संरक्षक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उपस्थित रहे ।स्वैच्छिक रक्तदान शिविर मैं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि इंद्रेश कुमार ने बताया कि युवा इस देश का कर्णधार है युवाओं के ऊपर आईएस राष्ट्र को मजबूत करने की साशक्त जिम्मेदारी है युवा इस देश का ऐसा सैनिक है जिसके बल पर यह राष्ट्र मजबूत होता है। उन्हों ने अपनी जिंदगी को मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। उनके प्रयासों ने ना जाने कितने लोगों की जान बचाई है और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। ऐसे लोग निस्संदेह समाज के हीरो होते हैं। जिनकी प्रेरणा से और लोग भी आगे आकर रक्तदान करने के लिए प्रेरित होते हैं। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंत में मुख्य अतिथि ने बताया कि भारत में दूसरी कथा लिखी गई जिसका नाम सिंदूर था एक कथा महाभारत की थी यह भी आने वाले पीढ़ियों के लिए एक संदेश देने का काम करेंगे।इस मौके पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा धर्मवीर तिवारी ,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष यादवेंदर् दत्त द्विवेदी, डॉ नीलेश दत्त द्विवेदी काशी क्षेत्र मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी,डॉक्टर राकेश पांडेय,उत्कर्ष पांडेय, अरुण चौबे,ब्रम्हा नंद पटेल,परमानन्द पटेल,राजेश मिश्रा,राम सेवक मौर्य,रवि तिवारी,डॉक्टर योगेश सिंह ,विवेक पांडेय,रवि पटेल, आशुतोष चौबे,डॉक्टर प्रशांत पांडेय,अमित गोयल,नार सिंह पटेल,उमेश ओझा,मुहम्मद सलीम आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यू ब्वायज क्रिकेट क्लब द्वारा 11 वा रात्रिकालीन कैनवस बाल प्रतियोगिता का शानदार हुआ आगाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार रात्रि को न्यू ब्वायज क्रिकेट क्लब द्वारा 11 वा रात्रिकालीन कैनवस बाल प्रतियोगिता का राबर्ट्सगंज स्थित आर टी एस क्लब में आयोजन किया

गया जिसमें संरक्षक पूर्व विधायक माननीय अविनाश कुशवाहा जी एवं न्यू ब्वायज क्लब अध्यक्ष व जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद साहब के द्वारा प्रतियोगिता का उद्घाटन कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया एवं प्रतियोगी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी उद्घाटन मैच 12 ओवर का खेला गया चुर्क एवं नई बाजार के बीच चुर्क ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुन्नी नई बाजार ने 12 ओवर में 42 रन का टारगेट चुर्क को दिया गया था लेकिन चुर्क ने बीना विकेट गवाएं मैच जीत लिया और मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विक्की को मैन ऑफ द मैच दिया गया गई जिसमे अंपायर के रूप में हाजी मुस्तफा जमाल सुन्ना व सैय्यद वारिश अली ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया तथा कमेन्ट्री का कार्यभार नवल वाजपेयी जी व बादली ने किया व स्कोरर की भूमिका में शाहनवाज व राजा ने किया जिसमे मुख्य रूप से उपाध्यक्ष शमीम अहमद, सचिव साजिद खान,मोनू पाण्डेय कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, मुहम्मद इमरान बख्शी,टीपू सदस्य के रुप में नौशाद, मोहसिन, मुख्तार, अमित केशरी,चंदन जायसवाल तौफीक अहमद सोनी जाफर आदि मौजूद रहे।

अमर्यादित भाषा के प्रयोग पर संगठन ने सौंपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

संघ सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में कर्मचारीयो का एक समूह मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ बी सागर से मिलकर कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन पत्र सौपा जिसमें जिला अध्यक्ष द्वारा बताया गया की जिला संयुक्त चिकित्सालय,स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के अंतर्गत कार्यत डॉक्टर अंकिता सिंह के द्वारा अपने पद के अनुरूप कार्य न करके आए दिन कर्मचारियों से बदतमीजी एवं ऊलजुलुल बातें किया जाता है तथा कर्मचारियों को वेतन रोकने एवं निकालने की भी धमकी दी जाती है जिससे संविदा कर्मचारी मानसिक रूप से पीड़ित हैं और अपना राजकीय कार्य करने में समस्या उत्पन्न हो रही है संघ के जिला अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि अगर डॉक्टर अंकिता के कार्य एवं व्यवहार में सुधार न हुआ तो संघ व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन करने को बाधित होगा उसकी समस्त जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की होगी उक्त अवसर पर अखिलेश दुबे, मीना सोनकर, सुशील दुबे,मयंक पांडे राहुल पांडे, वाचस्पति मिश्रा, सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

चुर्क में रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चुर्क। विगत वर्षों की भर्ती इस वर्ष भी रात्रि कॉलिंग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन नगर पंचायत चुर्क-

घुर्मा के रामलीला मैदान में रामलीला प्रीमियम लिग रात्रि कालीन टूर्नामेंट का आयोजन बुधवार से किया गया कल देर रात में उद्घाटन किया गया मैच के मुख्य अतिथि। नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा चेयरमैन प्रतिनिधि/ पिछड़ा मोर्चा के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, विशेष अतिथि अरुण सिंह, जयराम वर्मा,दीपचंद महतो, प्रशांत सिंह के द्वारा फिता काट कर मैच का उद्घाटन किया गया रामलीला प्रीमियम लिग के अध्यक्ष नगर पंचायत चुर्क अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश यादव,उपाध्यक्ष जयराम वर्मा,कोषाध्यक्ष दिपक गुप्ता उर्फ भुल्लन पहला मैच मारकुंडी व चुर्क रेलवे के बीच खेला गया जिसमें चुर्क रेलवे विजेता हुई और दूसरा मैच राबर्ट्सगंज तथा नई बाजार के बीच खेला गया जिसमें नई बाजार विजेता हुई उद्घाटन मैच के दौरान सचिव स्वदीप श्रीवास्तव उर्फ़ लक्की, संचालक अमित शर्मा उर्फ पोपट,अनंत यादव,कार्यकर्ता विशाल सिंह,अजय भारती,भोलू चुर्क नगर के खेल प्रेमी मौजूद रहे।

पिछड़े वर्गों की सच्ची हितैषी बहन कु मायावतीः बी सागर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। देश में सामाजिक परिवर्तन की बहन कुमारी मायावती राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा पूर्व

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद राज्यसभा के निर्देश पर समस्त अन्य पिछड़े वर्ग के अंतर्गत भाईचारा बनाकर पार्टी की विचारधारा से जोड़ने के लिए चार बार के शासनकाल में पिछड़े वर्ग के लिए लिए गए उनके हित में जो फैसला एवं सरकार द्वारा काम किए गए पूरे देश के किसी प्रदेश में किसी अन्य सरकार द्वारा काम नहीं हुआ । बहुजन समाज पार्टी अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़े वर्ग अल्पसंख्यक सर्व समाज में गरीब तबके के लोगों के लिए युद्ध स्तर पर काम किया ।तथा कानून का राज्य स्थापित किया इस बात को बूथ स्तर पर लोगों को बताने के लिए बी0 सागर ने बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में जनपद सोनभद्र के चारों विधानसभा के अंतर्गत निम्न लिखित स्थान व सेक्टर एवं निर्धारित तिथियों में आयोजित किया गया हैं। जिसकी जानकारी दी गई । इस बैठक को सफल बनाने हेतु विचार विमर्श किया गया इस दौरान रमेश कुशवाहा जिला संयोजक, डॉ रामावतार चौहान पूर्व जिला महासचिव , संजय कनौजिया जिला सचिव संजय ठाकुर राणा सुभाष राव अंबेडकर कृष्ण कुमार गिरी उत्तम बाबा देवी शरण भारती सत्य प्रकाश जायसवाल जोन प्रभार विश्वनाथ प्रसाद अग्रहरी ,कमलेश पाल आदि लोग रहे। ।।बैठक की तैयारी का विवरण जो इस प्रकार है 01 रॉबर्ट्सगंज विधान सभा म24 मई 2025 को सेक्टर डाला में दोपहर 12 बजे 02 ओबरा विधान सभा में25 मई 2025 को सेक्टर खजुरा में समय दोपहर 01 बजे 03 दुद्धी विधान सभा में 26 मई 2025 को सेक्टर किरविल समय दोपहर 2:30 बजे04 घोरावल विधान सभा में29 मई 2025 दोपहर 02 बजे अतः आप सभी पार्टी के पदाधिकारी गण एवं पूर्व पदाधिकारियों से अनुरोध है कि उक्त स्थान व तिथि पर अन्य पिछड़े वर्ग के मिशन मूवमेंट विचारधारा से जुड़े पार्टी के सभी शुभ चिंतक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं ।

अधिवक्ताओं ने आपरेशन सिंदूर के सफलता पर निकाली तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद न्यायालय परिसर राबर्ट्सगंज में अधिवक्ताओं ने आपरेशन सिंदूर के सफलता पर भारतीय सेना के अदम शौर्य और पराक्रम के खुशी में तिरंगा यात्रा निकाली। अधिवक्ताओं ने भारत माता और भारतीय सेना का जयकारा लगाते हुए पूरे परिसर में चक्रमण किया। इसी दौरान संबोधन में शशांक शेखर कात्यायन ने भारतीय सेना के वीरता और साहस की सराहना की।विनोद कुमार शुक्ल एडवोकेट ने कहा कि आतंक के मकड़जाल में जकड़ा पाकिस्तान के द्वारा निरीह भारतीय पर्यटक को मारकर हमारी मां बहन के सिंदूर का बदला जाबाज भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर लिया और पाक को नंगा कर दिया। राजीव सिंह गौतम ने बताया कि जिस देश की सेना ही आतंकवादी हो, उस देश का भविष्य क्या होगा।कार्यक्रम में सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एवं महामंत्री अखिलेश पाण्डेय,शशांक शेखर कात्यायन, पूनम सिंह, विनोद कुमार शुक्ल, राजीव गौतम,आरती पाण्डेय, कंचन सिंहा, कोमल सिंह,गीत गोड, शारदा मौर्या, प्रभात कुमार मिश्र, सुरेश सिंह, राजेन्द्र यादव, धनंजय शुक्ल, त्रियुगीनारायण, कुणाल सिंह, अरुण सिंघल आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकात्रियों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।ब्लॉक रॉबर्ट्सगंज बाल विकाश परियोजना अधिकारी सुभाष कुमार मौर्य द्वारा शुक्रवार को सभी नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए पोषण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया गया उक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पिरामल फाउडेशन से वीरेंद्र कुमार पाण्डेय द्वारा आंगनवाड़ी के समस्त 6 कार्यों अनुपूरक पोषाहार वितरण, टिकाकरण , स्वास्थ जांच , स्वास्थ्य एवं पोषण परामर्श ,संदर्भन सेवाएं , समेत बच्चों की वृद्धि निगरानी कुपोषित और अती कुपोषित बच्चों की पहचान समेत गर्भवती माता की जांच एवं देखभाल एवं ग्राम स्वास्थ्य स्वक्षता एवं पोषण दिवस के बारे में विस्तृत चर्चा किया गया एवं रॉकेट लर्निंग के जनपद प्रतिनिधि ऋषिकेश प्रियदर्शी द्वारा साला पूर्व शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई उक्त कार्यशाला मे मुख्य सेविका अशोक कुमारी शुशीला देवी समेत पिरामल फाउंडेशन से फेलो सृष्टि भुजेल ,अनामिका द्विवेदी ने सहयोग प्रदान किया ।

बिन खाए रहा न जाए रिश्वत की बीमारी बाबू की गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। रकवा में पेड़ पौधे चढ़ाने के ऐवज में मांगे थे 6 हजार? , दूसरी किस्त लेते लोकायुक्त ने पकड़ा रंगे हाथ इन दिनों रिश्वत

लेना मानो जैसे एलपेनलिबे की टॉफी खाने जितना आसान है।आज लोकायुक्त इस कार्यवाही के बाद यह टैगलाइन रिश्वतखोरों के लिए सबसे सटीक भी बैठती है। रिश्वत की रकम ऐसी जो बिन खाए रहा न जाएं । ऐसा ही कुछ हाल इस समय जयसिंहनगर तहसील के राजस्व में चल रहा है। जहां तहसील में पदस्थ बाबू योगेंद्रमणि द्विवेदी ने रकवा में पेड़ पौधे चढ़ाने की ऐवज में 6 हजार? रिश्वत की मांग की गई। जिस पर रिश्वत की पहली किस्त ?3 हजार तहसील में पदस्थ बाबू योगेंद्रमणि द्विवेदी ने ले ली।पूरे मामले की शिकायत फरियादी सत्येंद्र कुमार कुशवाहा ने लोकायुक्त में की जिस पर लोकायुक्त रीवा की 12 सदस्यों की टीम गठित कर आज नया तहसीलदार के कार्यालय से बाबू को रिश्वत की दूसरी किस्त ?3हजार लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि कार्यवाही अभी प्रचलन में है।आपको बता दे की इसके पूर्व भी जयसिंहनगर के छूदा ग्राम पंचायत में भी रोजगार सहायक चंद्रप्रकाश गुप्ता को 10, हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया गया था।1 महीने के अंतराल में हे जयसिंहनगर क्षेत्र में लोकायुक्त की टीम ने दूसरी बड़ी कार्यवाही की है।हालात : इस कार्यवाही ने जयसिंहनगर तहसील में चल रहे। व्यापक पैमाने में भर्रेशाही को उजागर किया है।

स्पोर्ट्स

शानदार पारी के बाद वैभव सूर्यवंशी ने छुए धोनी के पैर, आशीर्वाद के साथ आईपीएल 2025 का अंत किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मैच के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से मिल रहे थे, तब धोनी और वैभव का सामना हुआ और इस युवा बल्लेबाज ने माही के पैर छुए। धोनी हालांकि उन्हें रोकते नजर आए।राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने महेंद्र सिंह धोनी के पैर छुए और आशीर्वाद के साथ आईपीएल 2025 सीजन का समापन किया। राजस्थान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच मंगलवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला हुआ। राजस्थान का इस सीजन यह आखिरी मुकाबला था और 14 साल के वैभव इस मैच में भी अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे। मैच के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से मिल रहे थे, तब धोनी और वैभव का सामना हुआ और इस युवा बल्लेबाज ने माही के पैर छुए। धोनी हालांकि उन्हें रोकते नजर आए। वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और उन्होंने अपने पहले ही सीजन में काफी सुर्खियां बटोरी। वैभव को

इस सीजन सात मैचों में खेलने का मौका मिला और उन्होंने 206.56 के स्ट्राइक रेट और 36 के औसत से 252 रन बनाए। राजस्थान ने मेगा नीलामी में वैभव को खरीदा था और यह बल्लेबाज टीम की उम्मीदों पर खरा उतरा। हालांकि, राजस्थान की टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी और उसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन की 98 रनों की साझेदारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 187 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 17.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर 188 रन बनाए और टूर्नामेंट की चौथी जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी हुई थी। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बीच पहले विकेट के लिए 37 रनों की साझेदारी हुई, जिसे अंशुल कंबोज ने तोड़ा। उन्होंने जायसवाल को बोल्ड किया। वह 19 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सूर्यवंशी को कप्तान संजू सैमसन का साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। सैमसन 41 और सूर्यवंशी 57 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में रियान पराग कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए और तीन रन बनाकर आउट हो गए। ध्रुव जुरेल 31 और शिमरन हेटमायर 12 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए अश्विन ने दो विकेट लिए जबकि अंशुल कंबोज और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

23 मई को बंगलूरू में होने वाला आईपीएल मैच लखनऊ शिफ्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में

खेला जाएगा। इसके लिए हैदराबाद की टीम रोक ली गई है। बीते दिनों टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले विराट कोहली आईपीएल में धूम मचा रहे हैं। अब बंगलूरू में 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में शिफ्ट किया गया है। इस खबर के साथ शहर में विराट के प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जलवा देखने का मौका मिलेगा।विराट को लेकर शहर में पहले से ही काफी उत्साह था। दरअसल, यहां 27 मई को लखनऊ और बंगलूरू का मैच तय है। विराट को खेलता देखने के लिए इस मुकाबले के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। अब 23 मई को इकाना स्टेडियम में हैदराबाद और बंगलूरू का मैच विराट प्रसंशकों के लिए बोनस है।मंगलवार शाम को हैदराबाद की टीम बंगलूरू के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उन्हें लखनऊ में ही रुके रहने के लिए कह दिया गया है।

चेन्नई पर जीत के साथ राजस्थान का सफर समाप्त, युद्धवीर-आकाश के बाद वैभव सूर्यवंशी ने बिखेरी चमक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 187 रन बनाए। किंग्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 187 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 17.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर 188 रन बनाए और टूर्नामेंट की चौथी जीत दर्ज की।

जवाब में राजस्थान ने 17.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर 188 रन बनाए और टूर्नामेंट की चौथी जीत दर्ज की। वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन की 98 रनों की साझेदारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ संजू सैमसन के नेतृत्व वाली टीम का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। ग्रुप चरण में यह उनका आखिरी मुकाबला था। वहीं, चेन्नई को अपना आखिरी मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ 25 मई को खेलना है। राजस्थान और चेन्नई पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी हुई थी। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बीच पहले विकेट के लिए 37 रनों की साझेदारी हुई, जिसे अंशुल कंबोज ने तोड़ा। उन्होंने जायसवाल को बोल्ड किया। वह 19 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सूर्यवंशी को कप्तान संजू सैमसन का साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। सैमसन 41 और सूर्यवंशी 57 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में रियान पराग कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए और तीन रन बनाकर आउट हो गए। ध्रुव जुरेल 31 और शिमरन हेटमायर 12 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए अश्विन ने दो विकेट लिए जबकि अंशुल कंबोज और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

कप्तान ऋषभ पंत के समर्थन में उतरे मिचेल मार्श, दमदार वापसी की उम्मीद जताई; खराब प्रदर्शन पर रखी राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पंत की कप्तानी और उनके प्रदर्शन की आलोचना की जा रही है, लेकिन मार्श ने उनका समर्थन किया है। मार्श का कहना है कि पंत खुद ऐसे खिलाड़ी हैं जो यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि आईपीएल के मौजूदा सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं इसके साथ टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, जबकि उसके दो और मैच बचे हैं। लखनऊ के लिए कप्तान पंत का प्रदर्शन मौजूदा सीजन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने 12 मैच में 135 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 100 से कम है। यह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू करने के

रहा। लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मिचेल मार्श कप्तान ऋषभ पंत के समर्थन में उतरे हैं। पंत को लखनऊ ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन इस सीजन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह प्रभावित नहीं कर सके। पंत की अगुआई में लखनऊ की टीम इस सीजन प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना सकी और उसका सफर ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। पंत की कप्तानी और उनके प्रदर्शन की आलोचना की जा रही है, लेकिन मार्श ने उनका समर्थन किया है। मार्श का कहना है कि पंत खुद ऐसे खिलाड़ी हैं जो यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि आईपीएल के मौजूदा सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। लखनऊ को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा और बाद से उनका सबसे खराब आईपीएल सत्र रहा है। मार्श ने उम्मीद जताई कि पंत लखनऊ के आखिरी दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि ये महज औपचारिकता के मुकाबले होंगे। मार्श ने कहा, पंत यह कहने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र वैसा नहीं रहा जैसा उन्हें पसंद होता लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं कि कभी-कभी क्रिकेट इसी तरह चलता है। हम जानते हैं कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, बेहद कुशल और बेहद प्रतिभाशाली हैं इसलिए वह वापसी करेगा। मुझे लगता है कि शायद इस सत्र के बाद आत्मचिंतन का समय आएगा। मेरा ध्यान बस अपनी टीम और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अगले दो मैच जीतने में योगदान देने की कोशिश करने पर है। जैसा कि मैंने कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और इसमें जीत का अंतर बहुत कम होता है।

धोनी ने वैभव और म्हात्रे जैसे युवा खिलाड़ियों को दी सलाह, बोले- उम्मीदें बढ़ने पर दबाव नहीं लें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। धोनी ने कहा कि बल्लेबाजों को निरंतरता पर ध्यान देना होगा, जो 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने पर बरकरार रखना मुश्किल होता है। राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 187 रन बनाए। जवाब में और कोचिंग स्टाफ से सीखें, यह खेल को पढ़ने के बारे में है। यह मेरी सलाह उन सभी युवाओं को होगी जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने इस मैच में टॉस जीतकर

उन्होंने यह भी कहा कि उम्मीदें बढ़ने पर अतिरिक्त दबाव लेने की जरूरत नहीं ह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों को सलाह देते हुए कहा है कि उनसे उम्मीदें बढ़ने पर वे ज्यादा दबाव नहीं लें। 14 साल के वैभव ने आईपीएल 2025 में डेब्यू किया और अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में सफल रहे। उन्होंने सीएसके के खिलाफ मंगलवार को खेले गए मुकाबले में 33 गेंदों पर 57 रन की पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन की 98 रनों की साझेदारी के दम पर राजस्थान ने 17.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर 188 रन बनाए और टूर्नामेंट की चौथी जीत दर्ज की। धोनी ने कहा कि बल्लेबाजों को निरंतरता पर ध्यान देना होगा, जो 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने पर बरकरार रखना मुश्किल होता है। उन्होंने यह भी कहा कि उम्मीदें बढ़ने पर अतिरिक्त दबाव लेने की जरूरत नहीं है। धोनी ने मैच के बाद कहा, उन्हें निरंतरता के लिए प्रयास करना होगा, लेकिन अगर आप 200 से ज्यादा स्ट्राइक रेट की तलाश में हैं तो निरंतरता पाना मुश्किल है। उनके पास किसी भी स्तर पर छक्के मारने की क्षमता है। जब उम्मीदें बढ़ जाती हैं, तो दबाव न लें। सीनियर खिलाड़ियों पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। धोनी ने इस बारे में कहा, अगर आप देखें कि हमने कितने रन बनाए, तो यह बहुत अच्छा था, लेकिन आपको विकेट भी देखने होंगे क्योंकि इससे निचले मध्यक्रम पर दबाव पड़ता है कि आप 20 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। मुझे लगता है कि ब्रेविस की पारी बहुत अच्छी थी, वह मौके भुना रहा था और मुझे लगता है कि रन रेट अच्छा था। यही वह जगह है जिसमें हम थोड़ा सुधार करना चाहते हैं। मुझे लगता कि रन-रेट ठीक था, लेकिन हमने एक-दो विकेट अतिरिक्त गंवाए।

बांग्लादेश के खिलाफ ड्रॉ खेलने से अब भी निराश हैं कोच मार्कैज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम को अपना दूसरा मैच 10 जून को हांगकांग से खेलना है। टीम ने सोमवार को अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू कर दिया है। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्कैज एशिया कप क्वालिफाइंग दौर के मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेलने से निराश हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि टीम में सुधार की जरूरत है। मार्कैज ने स्पष्ट किया है कि अगर टीम को एशिया कप के लिए क्वालिफाई करना है तो उन्हें प्रदर्शन में सुधार लाना ही होगा।भारत को 25 मार्च को शिलांग में बांग्लादेश की फुटबॉल टीम से गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया था। भारतीय टीम को अपना दूसरा मैच 10 जून को हांगकांग से खेलना है। टीम ने सोमवार को अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू कर दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच का जिक्र करते हुए मार्कैज ने कहा, हमें बहुत सुधार करने की जरूरत है क्योंकि मुझे लगा कि टीम पिछले सत्र को छोड़कर हर फीफा विंडो में आगे बढ़ रही थी। यह सच है कि बांग्लादेश के खिलाफ मैच के लिए हमें कुछ अहम खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिली। लेकिन हम अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कोई बहाना नहीं बना रहे हैं। भारत को 2027 एशियाई कप क्वालिफाइंग तीसरे दौर के ग्रुप सी में बांग्लादेश, हांगकांग और सिंगापुर के साथ रखा गया है। घरेलू और दूसरे टीम के घर में कुल छह मैच खेलने के बाद केवल शीर्ष टीम ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट के अगले चरण के लिए क्वालीफाई करती है।

अब्दुल समद के आउट होते ही आपा खो बैठे निकोलस पूरन, ड्रेसिंग रूम में बल्ला फेंकते हुए आए नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यह घटना अब्दुल समद के आउट होने के बाद की है। जैसे ही नीतीश कुमार रेड्डी ने

समद को बोल्ड किया, पूरन अपना आपा खो बैठे और उन्होंने अपना पैड फेंक दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ लखनऊ की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। इस मैच में वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अपना आपा खो दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।यह घटना अब्दुल समद के आउट होने के बाद की है। जैसे ही नीतीश कुमार रेड्डी ने समद को बोल्ड किया, पूरन अपना आपा खो बैठे और उन्होंने अपना पैड फेंक दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। बता दें कि, पूरन इस मैच में 26 गेंदों में 45 रन बनाकर रनआउट हुए थे। उन्हें ईशान किशन ने रनआउट किया था। सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया और उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस तरह ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से [illegible] रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स ने शुरू कर दी है आईपीएल के अगले सीजन की तैयारी धोनी ने दी अहम जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। धोनी ने कहा कि इस इस सत्र में प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म होने के बाद टीम ने भविष्य की योजना बनाने पर ध्यान देना शुरू कर दिया था। चेन्नई की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में अच्छा नहीं रहा है और वह प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी। हालांकि, टीम इस सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन को भूल कर अगले सत्र के बारे में सोच रही है। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में सीएसके की कमान संभाल रहे महेंद्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके ने अगले सीजन के लिए पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएसके की टीम मौजूदा सत्र में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली शुरुआती टीमों में से एक थी। टीम अंक तालिका में निचले पायदान पर है। धोनी की कप्तानी में फ्रेंचाइजी ने अतीत में पांच आईपीएल खिताब जीते हैं। टीम ने 2024 सत्र की शुरुआत से पहले गायकवाड़ को नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके चोटिल होने के बाद फिर से धोनी को टीम की कमान सौंपी गई। धोनी ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान कहा, मुझे लगता है कि हमने यह प्रक्रिया (पुनर्निर्माण)

पहले ही शुरू कर दी है। जब बल्लेबाजी की बात आती है, तो हम बिना किसी दबाव के खेलना चाहते हैं। पिछले कुछ मैचों में हमने वही किया है। हम इसी के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। गेंदबाजी में हमने कुछ रन दिए हैं। शायद हमें एक अतिरिक्त गेंदबाज की जरूरत है जो पावरप्ले के बाद बेहतर गेंदबाजी कर सके। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और हम इसी तरह से आगे बढ़ना चाहते हैं। सीएसके के लिए आईपीएल 2025 का सीजन अच्छा नहीं रहा है और उसने 13 मैचों में सिर्फ तीन जीते हैं और 10 मैच गंवाए हैं। चेन्नई की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। इस सीजन उसका आखिरी मुकाबला 25 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में खेला जाएगा। धोनी ने कहा कि इस इस सत्र में प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म होने के बाद टीम ने भविष्य की योजना बनाने पर ध्यान देना शुरू कर दिया था। धोनी ने कहा, जब हम टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे तब हमें अपने खामियों का जवाब तलाशना था। यह सही संयोजन बनाने और उस खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल करने के बारे में है जिसे आप नीलामी में हासिल कर सकते हैं। सत्र की शुरुआत में हम बल्लेबाजी विभाग में संघर्ष कर रहे थे। हमने इसमें सुधार किया है। यह आगे बढ़कर अपनी जगह पक्की करने के बारे में है। जब आप दबाव में होते हैं, तो आप खुद विकल्पों की तलाश करते है। इन मैचों में आपके पास खुद को अभिव्यक्त करने और अपने शॉट्स खेलने का अवसर होता है।

सम्पादकीय

देशघात की हद तक जाती राजनीति, आतंकवाद से लड़ना कठिन ही होगा

पिछले दिनों एक पाकिस्तान टीवी चैनल का एंकर चीखते हुए कह रहा था, 'कितने भारतीय तैय्यारे (विमान) तबाह हुए? भारतीय अपोजीशन लीडर राहुल गांधी का मोदी सरकार से एक बार फिर सवालष्ठ।' राहुल के इसी सवाल को अन्य पाकिस्तानी टीवी चैनलों ने जोर-शोर से उछाला। इसके लिए उन्होंने राहुल की उस एक्स पोस्ट को दिखाया, जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के वीडियो का महज 17 सेकेंड वाला एक हिस्सा नत्थी किया था। राहुल ने इस वीडियो बयान का यह मतलब निकाला कि विदेश मंत्री ने आतंकी अड्डों को निशाना बनाने के पहले ही पाकिस्तान को सूचना दे दी। इससे आतंकी भी भाग गए और सतर्क पाकिस्तानी सेना को भारतीय विमानों को निशाना बनाने में आसानी भी हुई। यद्यपि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि विदेश मंत्री के कहने का वह आशय नहीं, जो निकाला जा रहा है, लेकिन राहुल मानने को तैयार नहीं हुए। वह अपनी बात पर अड़े रहे। इसके नतीजे में ही पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, 'जयशंकर ने जो किया, उसे मुखबिरी करना कहते हैं।' पाकिस्तानी टीवी चैनलों ने पवन खेड़ा के इस बयान को भी लपकने में देर नहीं की। क्या कोई सहज-सामान्य बुद्धि वाला व्यक्ति यह सोच सकता है कि जो विदेश मंत्री राजनयिक रहा हो, वह ऐसी पूर्व सूचना दे सकता है-हेलो, हम आपके आतंकी अड्डों पर हमला करने जा रहे हैं। हमारे नेताओं ने कश्मीर, चीन पाकिस्तान प्रायोजित आतंक को लेकर पहले भी ऐसे बयान दिए हैं, जिन्हें इन देशों ने अपने पक्ष में भुनाया है। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत के खिलाफ पेश अपने डोजियर में राहुल गांधी के कश्मीर पर दिए गए बयान का उल्लेख कर चुका है। एक बार राहुल ने यह कह दिया था कि सेनाध्यक्ष ने यह मान लिया है कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। उनके एक बयान को आतंकी पन्नू भी भुना चुका है। यह देखना दयनीय है कि पहलगाम हमले के बाद जो सर्वदलीय सहमति बनी थी, उसकी धज्जियां सी उड़ रही हैं। ऐसा राजनीतिक क्षुद्रता के कारण हो रहा है। कांग्रेस को इस पर भी आपत्ति है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए जो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कई देशों में जाने हैं, उनमें सरकार ने उसके नेता शशि थरूर को क्यों शामिल कर लिया। ममता बनर्जी ने भी कहा कि आखिर सरकार कौन होती है कि हमारे दल से कौन प्रतिनिधिमंडल में शामिल होगा? इस राजनीतिक क्षुद्रता का पूरा लाभ पाकिस्तान उठा रहा है। वहां के चैनलों में हमारे कई नेताओं के वे वीडियो चलाए जा रहे, जो भारत के खिलाफ उनके एजेंडे को धार देने में मददगार हैं। ऐसा लग रहा था कि पहलगाम की भयावह घटना के बाद देश की आंखें खुल जाएंगी और राजनीति के साथ समाज उस खतरे के प्रति पूरी तरह सावधान हो जाएगा, जो पाकिस्तान से भयावह रूप में उभर आया है। समाज तो एक हद तक चेतता दिख रहा, लेकिन राजनीतिक वर्ग का व्यवहार निराश करने वाला है। देशघात की हद तक जाने वाली सस्ती राजनीति पाकिस्तानी आतंकवाद से लड़ाई को कठिन ही बनाएगी। इन दिनों भारतीय राजनीति में जो कुछ हो रहा है, उससे पाकिस्तान, चीन और अन्य भारत विरोधी ताकतें खुश हो रही हों तो हैरानी नहीं। जब बड़े नेता क्षुद्रता दिखा रहे हों तो छोटे-मोटे नेताओं की बात कौन करे। समझना कठिन है कि भाजपा कर्नल सोफिया कुरैशी पर ओछी टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के अपने मंत्री विजय शाह का इस्तीफा लेने से क्यों बच रही है? यदि ऑपरेशन सिंदूर पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट के कारण प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी जरूरी समझी गई तो विजय शाह और सपा नेता रामगोपाल यादव को क्यों बख्श दिया गया, जिन्होंने तीन सैन्य अफसरों के बहाने पीडीए की गिनती करने के साथ विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणी भी की। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर अपने देश में पहले भी सस्ती राजनीति होती रही है।

भारत की चिंता बढ़ाता बांग्लादेश, अवामी लीग पर प्रतिबंध घातक

मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अगुआई वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश की सबसे बड़ी और पुरानी राजनीतिक पार्टी अवामी लीग पर आतंकवाद-रोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया है। बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई का नेतृत्व बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान ने किया था। उन्होंने भारत के सहयोग से बांग्लादेश को पाकिस्तान से स्वतंत्रता दिलाई और अवामी लीग को एक मजबूत राजनीतिक दल के रूप में स्थापित किया। वर्तमान में अवामी लीग की नेता और बांग्लादेश से निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इन दिनों भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उनके खिलाफ आतंकवाद-रोधी कानून के तहत सैकड़ों मामले दर्ज किए हैं, जिनमें हत्या, आगजनी और हिंसा जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यदि अवामी लीग आगामी चुनावों में भाग नहीं ले पाती तो यह बांग्लादेश के लोकतांत्रिक ढांचे और भारत के लिए चिंता की बात होगी।अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को मौजूदा सरकार और छात्र संगठन एक अच्छा कदम मानते हैं। वे अवामी लीग पर प्रतिबंध को न्याय की जीत कह रहे हैं। कुछ लोग इस कदम को एक दुष्चक्र की तरह देख रहे हैं, क्योंकि अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को प्रतिबंधित करके वही काम किया, जो अवामी लीग ने सत्ता में रहते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों के साथ किया था।बांग्लादेश में जिस कथित 'द्वितीय गणतंत्र' की स्थापना शेख हसीना को बेदखल करने के बाद हुई थी, उसी ने देश के सबसे बड़े दल के लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए। यह घटनाक्रम बांग्लादेश में लोकतंत्र को कमजोर करेगा। इतना ही नहीं, यह उस कट्टर इस्लामिक विचारधारा को मजबूत करेगा, जिसके खिलाफ अवामी लीग आवाज उठाती रही है।पड़ोस में कट्टर इस्लामी ताकतों का उभार भारत के हित में भी नहीं। बांग्लादेश में 'सुधारवाद' की भी बात हो रही है, जिसका प्रतिनिधित्व मोहम्मद यूनुस सरकार चलाते हुए कर रहे हैं। यूनुस सरकार विधायी, सिविल और बैंकिंग सेवाओं में सुधार लाने का प्रयास कर रही है, लेकिन इस काम में उनके समक्ष एक बाधा समय की कमी है। इसी का हवाला देकर यूनुस कई बार यह कह चुके हैं कि बांग्लादेश में चुनाव तब तक नहीं हो सकते, जब तक देश में सुधार पूरी तरह से न हो जाएं।हालांकि तमाम पार्टियां शीघ्र चुनाव की बात कर रही हैं, लेकिन मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल को देखते हुए वहां शीघ्र चुनाव होना मुश्किल लग रहा है। यूनुस भी जल्द चुनाव के लिए तैयार नहीं दिखते। अगर चुनाव हुए तो यूनुस का जाना तय है, क्योंकि वह किसी भी दल से नहीं आते। जिन छात्रों ने उन्हें अंतरिम सलाहकार बनाने में योगदान दिया, उन्होंने अब जातीयो नागरिक पार्टी की स्थापना कर ली है। संभव है वे चुनाव में नए चेहरे को लाएं। इस सबके बीच एक और किरदार है, जिसने सामने आए बिना खुद को मजबूत बनाया है और वह हैं बांग्लादेश सेना के प्रमुख। उन्होंने शेख हसीना के देश से बाहर जाने के बाद कुछ समय के लिए देश की बागडोर भी संभाली थी, लेकिन अब वह पर्दे के पीछे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि बांग्लादेश की सेना का शीर्ष नेतृत्व अपने किरदार को नए राजनीतिक ढांचे में किस तरह से देखता है और क्या वह लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए स्वयं को राजनीति से अलग रखेगा? अवामी लीग पर प्रतिबंध कुछ पुरानी घटनाओं की याद दिलाता है। 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए अवामी लीग द्वारा जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाया गया था। अभी पिछले साल तक जमात के शीर्ष नेतृत्व को आजीवन कारावास और मृत्युदंड जैसी कड़ी सजाएं मिलती रहीं, फिर भी वह भिन्न-भिन्न तरीकों से राजनीति में उग्र तरीकों से सक्रिय रहने का प्रयास करती रही। ऐसा ही कुछ प्रयास प्रतिबंध लगने के बावजूद अवामी लीग भी कर सकती है। अवामी लीग की विचारधारा और कार्यकर्ता अभी भी सक्रिय हैं। आने वाले समय में उनकी दबी आवाज एक उग्र रूप ले सकती है। अवामी लीग पर प्रतिबंध लगना न केवल बांग्लादेश के सामाजिक और राजनीतिक ताने-बाने को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर सकता है। यह पार्टी दशकों से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और पंथनिरपेक्षता की धुरी रही है। इसके कमजोर होने से वहां कट्टरपंथी और भारत-विरोधी ताकतों को बल मिल सकता है। भारत को इसके प्रयत्न करने होंगे कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश में लोकतंत्र सुरक्षित रहे। खतरा इसका है कि बांग्लादेश में वही राजनीतिक ताकतें फिर न हावी हो जाएं, जो अतीत में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर चुकी हैं, मजहबी कट्टरपंथ को बढ़ावा देती रही हैं और भारत के लिए समस्याएं पैदा करती रही हैं। क्षेत्रीय संतुलन के लिए वहां एक लोकतांत्रिक और जनादेश आधारित राजनीतिक व्यवस्था का बना रहना आवश्यक है। भारत को अपनी सुरक्षा के नजरिये से चौकन्ना रहना होगा। इसलिए और भी अधिक, क्योंकि अंतरिम सरकार भारत के हितों की अनदेखी कर रही है। इसके कारण भारत को बांग्लादेश के खिलाफ कठोर रवैया अपनाना पड़ रहा है।

क्या अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में सबकुछ ठीक चल रहा है

कभी आधुनिक शिक्षा और योग्यता की मिसाल रही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) आज आज अपने उसी गौरव को फिर से हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है यही विश्वविद्यालय अध्ययन का बड़ा और महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। अगर वर्तमान स्थिति को जल्द सुधारा जाए तो स्थिति बदल सकती हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू), जो कभी भारतीयों के लिए आधुनिक शिक्षा और योग्यता का प्रतीक थी, अब अपने अस्तित्व को तलाशती नजर आ रही है।

सर सैयद अहमद खाऩ ने जिसे नैतिक नागरिकता का गढ़ बनाने की कल्पना की थी, वह अब अपनी उसी पहचान को तलाशती नज़र आ रही है।नौकरी की रिक्तियां अक्सर विभागीय व्हाट्सएप समूहों और कैंपस की गपशप में पहले फैलती है। जब तक आधिकारिक सूचना एएमयू की वेबसाइट पर आती है- वो भी केवल 7-10 दिन की आवेदन समय सीमा के साथ- तब तक ङ्घघरानेङ्घ के उम्मीदवार के पास नोटरीकृत दस्तावेज़, कोऑपरेटिव लैब से अनुभव प्रमाणपत्र और ऐसे लेटरहेड पर छपा सिफारिश पत्र होता है जो बाहरी उम्मीदवारों को कभी उपलब्ध ही नहीं होता।शॉर्टलिस्टिंग पैनल में अक्सर टॉप उम्मीदवारों के बिरादरी से संबंध रखने वाले सदस्य होते हैं। एएमयू अधिनियम ऐसे हितों के टकराव को प्रतिबंधित करता है, लेकिन इन घोषणाओं को मोबाइल ऐप की शर्तों की तरह देखा जाता है- पढ़े बिना स्वीकार कर लिया जाता है।100 अंकों की नियुक्ति संरचना में 20 अंक साक्षात्कार के लिए होते हैं। एक पैनल सदस्य आसानी से अपने चचेरे भाई के अंक 68 से 72 कर सकता है, जिससे एक योग्य बाहरी उम्मीदवार 71 पर रह जाता है। अपीलें अक्सर रजिस्ट्रार की दराज में खो जाती हैं। अगर कोई ङ्घबाहरीङ्घ व्यक्ति नौकरी पा भी जाता है, तो उसे अक्सर किशनगंज या मलप्पुरम के कम फंड वाले केंद्रों में भेज दिया जाता है। 2022 से 2024 के बीच ऐसे पांच कर्मचारी मजबूरी में इस्तीफा दे चुके हैं। उनकी जगह फिर से विज्ञापन देकर स्थानीय रिश्तेदारों को भर्ती किया गया।कैंपस की लोककथा बताती है कि 2010 के बाद से कम से कम 30 शादियां ऐसी हुई हैं जहां दूल्हा इंजीनियरिंग में और दुल्हन सोशल वर्क में एक ही साल नियुक्त हुई और दोनों के परिवार पहले से एएमयू में कार्यरत। प्रेम अंधा हो सकता है, लेकिन एचआर रिकॉर्ड्स में वेतन श्रेणी घ्म् और उससे ऊपर की नियुक्तियां बड़ी संयोगवश नहीं हैं।नवंबर 2024 की एक लीक ऑडिट रिपोर्ट- जो बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के दौरान खींची गई तस्वीर में सामने आई- चौंकाने वाले आंकड़े उजागर करती है:ये आंकड़े एक ऐसी संस्कृति को उजागर करते हैं जहां रिश्तेदारी योग्यता पर हावी है, जिससे दलित, ओबीसी-हिंदू, और पसमान्दा मुसलमान व्यवस्था से बाहर कर दिए जाते हैं।जब पदोन्नति रिश्तेदारी पर आधारित हो, तो प्रतिष्ठित जर्नल में छपने की ज़रूरत घट जाती है। 2024 में एएमयू ने 2,100 स्कोपस-इंडेक्स्ड पेपर प्रकाशित किए, लेकिन उसका इेंण्घ् महज़ 0.64 था- जबकि घ्छ्ऊ दिल्ली का 1.56 और जादवपुर यूनिवर्सिटी का 1.02 था।वरिष्ठ संकाय, जो अपने संरक्षकों के प्रति वफादार हैं, वर्षों से सिलेबस नहीं बदलते। आठ विभाग आज भी 2015 से पहले के पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं।छात्र जानते हैं कि चाचा या मौसी कंट्रोलर ऑफिस में हो तो फैलोशिप पक्की है। मेरिट एक मिथक है। फिर भी छात्र हार नहीं मानते- झुग्गी बच्चों के लिए नाइट स्कूल चलाते हैं, क्राउडफंडेड जर्नल छापते हैं।एएमयू का उद्देश्य अपने शहर को ऊपर उठाना था। इसके बजाय, पारिवारिक भर्ती ने स्थानीय प्रतिभाओं को बाहर कर दिया है। अलीगढ़ की साक्षरता दर 59झ् पर जमी हुई है- उत्तर प्रदेश के औसत से 12 अंक कम। विश्वविद्यालय का सामुदायिक विकास खंड सालाना ?40 लाख से भी कम खर्च करता है- जो एक टेंडर घोटाले में निकलने वाली राशि के बराबर है।भारत के मुस्लिमों में बहुसंख्यक पसमान्दा समुदाय एएमयू में नेतृत्व, रोजगार, और नीति-निर्माण से पूरी तरह वंचित है।दिल्ली, अलीगढ़ पैरेंट बॉडी एसोसिएशन, लखनऊ, रियाद और शिकागो के प्रभावशाली पूर्व छात्र जवाबदेही के बजाय नॉस्टैल्जिया चुनते हैं। उनकी मुशायरों और गोल्फ़ रीयूनियन में सर सैयद का गुणगान होता है, पर एएमयू की मंडी में तब्दील स्थिति को नजरअंदाज कर दिया जाता है। वे मामूली ंघ्इ रैंकिंग सुधार पर तालियां बजाते हैं, पर वैश्विक रैंकिंग में 1001-1200 तक की गिरावट को नहीं देखते।एएमयू के पतन को रोकने के लिए कठोर सुधार जरूरी हैं- ब्लाइंड-कोडेड आवेदनः प्रारंभिक चयन के दौरान नाम और पते को गुप्त किया जाए। जैसे ऑक्सफोर्ड और एमआईटी में होता है।घूमते चयन पैनलः राष्ट्रीय शैक्षणिक पूल से एल्गोरिदम द्वारा पैनल तय हों, जहां किसी सदस्य का रिश्तेदारी संबंध निषिद्ध हो। सार्वजनिक डैशबोर्डः 48 घंटों के भीतर शॉर्टलिस्ट, स्कोर और अंतिम अंक सार्वजनिक किए जाएं।पसमान्दा आरक्षणः सभी नई नियुक्तियों में 50झ् पद सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े मुसलमानों के लिए आरक्षित किए जाएं, जब तक उनकी भागीदारी उनकी जनसंख्या (ं85झ्) के बराबर न हो जाए।बाहरी लोकपालः एक स्वतंत्र अधिकारी की नियुक्ति हो, जो राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह हो, और भ्रष्ट नियुक्तियों को रद्द कर सके व अभियोजन की सिफारिश कर सके।परिवार भारतीय संस्कृति में पवित्र हो सकता है, लेकिन भाई-भतीजावाद नहीं। एएमयू की भर्ती नीति ने दोनों को मिला दिया है और एक राष्ट्रीय संस्था को कुछ परिवारों की जागीर बना दिया है। आंसू गैस, लाठीचार्ज और संस्थागत धोखे के बावजूद संघर्षरत एएमयू छात्र ही इस संस्था की अंतिम गरिमा हैं। वे एक ऐसी यूनिवर्सिटी के हकदार हैं जो योग्यता और ईमानदारी का सम्मान करे न कि संपर्कों के आधार पर नीलाम हो।

हर रणनीतिक मोर्चे पर भारत की निर्णायक सफलता

यह दुनिया जब से बनी है, तब से ही शक्ति ही प्रमुख तत्व रही है। वह बाहुबल की हो, धन की हो, सत्ता की हो, बुद्धि की हो, सैन्य संसाधनों की हो, संख्या बल की हो। जो जितना बलवान, वह उतना धनवान। बल और धन दोनों का युक्ति से उपयोग करने से अनुकूल नतीजे प्राप्त होते हैं।इन दिनों भारत में सोशल मीडिया पर युद्ध समर्थक व विरोधियों के बीच जंग छिड़ी हुई है। मुद्दा यह है कि भारत ने पहलगाम के आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप पाकिस्तान के आतंकी अड्डों व चुनिंदा सैन्य ठिकानों पर जो धुंआधार हमले किए थे, उन्हें कुछ दिन और जारी रखना था। लाहौर, इस्लामाबाद, कराची, बहावलपुर आदि शहरों पर भी प्रबल हमले कर पाकिस्तान को बरबादी की खाई में धकेल देना था दरअसल, इस तरह के बहुत सारे तर्कों के तीर,भावनाओं की मिसाइलें दागी जा रही हैं जिसे सरकार-मोदी-भाजपा समर्थक आर्थिक उपलब्धियों के मिसाइलरोधी ड्रोन से तहस-नहस कर रही हैं। अब जबकि भावनाओं का ज्वार थम गया है, तब यह जानना आवश्यक है कि क्या वास्तव में भारत पूर्ण युद्ध चाहता था? क्या उसने पाकिस्तान को पर्याप्त सबक दे दिया है? क्या विश्व समुदाय भारत की सैन्य शक्ति को जान चुका है और आतंकियों को दिये जवाब का नैतिक समर्थन करता है?यह दुनिया जब से बनी है, तब से ही शक्ति ही प्रमुख तत्व रही है। वह बाहुबल की हो, धन की हो, सत्ता की हो, बुद्धि की हो, सैन्य संसाधनों की हो, संख्या बल की हो। जो जितना बलवान, वह उतना धनवान। बल और धन दोनों का युक्ति से उपयोग करने से अनुकूल नतीजे प्राप्त होते हैं। युक्ति के लिए बुद्धि आवश्यक है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जब आमने-सामने की लड़ाई में संख्या बल अधिक होने के बाद भी कम सैन्य शक्ति वाले को विजय मिली। वह होता है तात्कालिक रणनीति से, युक्ति से, विवेक से। केवल बाहुबल से युद्ध लड़े व जीते जाते तो किसी भी देश की सेना में भर्ती होने के लिये अखाड़े या जिम्नेशिय का पहलवान होना ही जरूरी होता।अब ताजा भारत-पाकिस्तान युद्ध की बात करते हैं तो स्पष्ट कर दूं कि भारत की ओर से यह पाकिस्तान के साथ युद्ध तो था ही नहीं। यह पाक समर्थित आतंकवादियों के साथ लड़ाई थी। इसीलिए उनके ठिकानों को निशाना बनाया गया और जब पाकिस्तान ने उन्हें समर्थन देने के लिए अपनी सेना को सन्नद्ध किया, मोर्चा संभाला, एयर बेस तैयार किए, सेना को रवानगी डलवाई तो उसे सचेत करने के लिए भारत ने प्रतीकात्मक हमले किए। उनके हवाई मार्ग अवरुद्ध कर दिए और ये पर्याप्त कारगर रहेइधर, पांच दिन में ही पाकिस्तानी सरकार व सेना की समझ में आ गया कि यदि इस बार इसने पूर्णकालिक युद्ध की शक्ल ले ली तो कितना कबाड़ा होगा,अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता। इसलिए, वह जिन-जिन आकाओं के सामने गिड़गिड़ा सकता था, गिड़गिड़ाया। मिन्नतें कीं। झोली फैलाई। भारत से भी बैठकर बात करने की पहल की, तब जाकर अर्ध विराम पर भारत सहमत हुआ। वह भी इस चेतावनी के साथ कि ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा। पाकिस्तान के साथ चर्चा होगी तो आतंकवाद और पीओके पर। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होने तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी।इतनी बड़ी कूटनीतिक जीत प्रत्यक्ष युद्ध में मिलने वाली प्रचंड विजयश्री से भी कई गुना बड़ी है। उसकी वजह है विश्व समुदाय का हमारे साथ खड़े रहना। अनेक देशों ने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमलों को उचित ठहराया। दुनिया ने देख लिया कि भारत ने इस बार ज्यादातर स्वदेशी हथियारों,तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर किस तरह से हमले किए व पाकिस्तान के हमलों को हवा में ही हवा-हवाई कर दिया विश्व हतप्रभ रह गया। वैश्विक शक्तियां भी सोच नहीं पा रही थी कि हम अस्त्र-शस्त्र,तकनीक व उनके सफल उपयोग में इतने दक्ष हो चुके होंगे। मिलाइलें हमारी धरती पर गिरने से पहले नष्ट करना। सैकड़ों ड्रोन को हवा में खाक कर देना। अपने किसी फाइटर जेट या मिसाइल का अचूक रहना। यह दुनिया में भारत नाम की एक भव्य और दिव्य शक्ति के उदय का शंखनाद है। इसीलिये हमले रोकने का श्रेय लूटने का अंतरराष्ट्रीय खेल भी हुआ। 6 मई से अभी तक हजारों-लाखों वीडियो,लेख,संदेश प्रसारित होते रहे, जिसमें युद्ध जारी रखने और पाकिस्तान को नेस्तनाबूद कर देने जैसी बातें कही गईं। भावनात्मक रूप से प्रत्येक भारतीय इस पक्ष में रहेगा, लेकिन हमें युद्ध से होने वाले गंभीर,दूरगामी दुष्परिणामों, प्रभावों की अनदेखी नहीं करनी चाहिये। एक हफ्ते का पूर्ण युद्ध भी किसी भी राष्ट्र की अर्थ व्यवस्था को चौपट करने का सामर्थ्य रखता है।मौजूदा दौर में रूस व इजराइल इसके बड़े प्रमाण हैं। भले ही वे अपने कदम पीछे लेने को तैयार नहीं, लेकिन इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है, यह वे ही जानते हैं। यह संदेश काफी है कि वे अब चाहकर भी युद्ध बंद नहीं कर सकते, क्योंकि व्यक्ति हो या राष्ट्र, आत्म सम्मान के नाम पर तो कभी अहंकार के चलते हम घोर गलत कदम भी पीछे नहीं लेते। बरबाद तो फलस्तीन व यूक्रेन भी हो रहे हैं, लेकिन हार कौन मान रहा है प्रत्येक भारतीय को यह अच्छी तरह से याद रखना चाहिये कि हम विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थ व्यवस्था बन चुके हैं और कभी-भी तीसरी शक्ति बन सकते हैं। अभी अमेरिका 30.507 लाख करोड़ डॉलर, चीन 19.231 लाख करोड़ डॉलर,जापान 4.91 लाख करोड़ डॉलर,जर्मनी 4.744 लाख करोड़ डॉलर और भारत 4.187 लाख करोड़ डॉलर अर्थ व्यवस्था वाले देश हैं। भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत है, जो रिजर्व बैंक की अनुमानित दर 6.6 से थोड़ी कम है। हमारा लक्ष्य 2025 में 5 लाख करोड़ डॉलर वाली अर्थ व्यवस्था बनने का है। युद्ध हमारी गति को तेजी से कम कर देता। यह 2014 से भाजपा सरकार द्वारा अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ किये जा रहे प्रयासों पर पानी फेर सकता था, जिससे उबरने में फिर कितना समय लगता, निश्चित नहीं कहा जा सकता। 2015 में भारत 2.1 लाख करोड़ डॉलर की अर्थ व्यवस्था वाला देश था। दस वर्ष में इसमें सौ प्रतिशत वृद्धि करने वाला वह इकलौता देश है। इसलिये केवल भावनाओं में बहकर युद्ध के उन्माद में कूदना समझदारी,देश भक्ति,सैन्य मजबूती नहीं मानी जा सकती थी।युद्ध किस तरह से खर्चीला और व्यक्ति से राष्ट्र तक की कमर तोड़ने वाल होता, जरा समझिये। समूचा सैन्य बल सीमा पर ले जाने के लिये परिवहन के साधनों में लगने वाला अतिरिक्त ईंधन। जल,थल,वायु सेना के लाखों जवानों का प्रतिदिन का खर्चा। युद्धक टैंक,मिसाइल,फाइटर जेट विमान,ड्रोन,युद्धक हेलिकॉप्टर,सैन्य ट्रक्स,जीप व अन्य वाहन,चिकित्सा खर्च। समुद्री सीमा को जल पोतों से पाट देना होता है। अभी करीब एक हफ्ते के लिए 650 यात्री विमान सेवा स्थगित की गई,उसका करोड़ों का नुकसान, जो लंबा युद्ध चलने पर अरबों रुपये होता। फिर युद्ध होने से महंगाई बढ़ती है, जो मुद्रा स्फीति बढ़ाती है, जिससे अर्थ व्यवस्था लड़खडाती,जीडीपी वृद्धि पर कम हो जाती। युद्ध की आशंका में व युद्ध होने पर लोगों में खाद्यान्न के संचय की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिससे बाजार में राशन की कृत्रिम कमी भी पैदा की जाती है। फिर कालाबाजारी बढ़ती है। तब सरकार इसे रोके या युद्ध पर ध्यान दे युद्ध की ऐसी अनेक सच्चाई हैं, जिन पर सरकार,सेना की ओर से जन साधारण को तो बताया भी नहीं जाता,उसके खर्च का हम अंदाज भी नहीं लगा सकते। फिर,इससे भी बड़ा जो नुकसान होता, वह यह कि कुछ समय से अमेरिका-चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध के कारण चीन में काम कर रही अनेक अमेरिकी व अन्य देशों की कंपनियां तेजी से चीन छोड़ रही हैं, जिनमें से अनेक इकाइयां भारत का रूख कर रही हैं। इस तरह से हमारे यहां विदेशी निवेश बढ़ रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ रहा है। 1951-52 में जो विदेशी मुद्रा भंडार 1.82 अरब डॉलर था, वह फरवरी 2023 में 561 अरब डॉलर हो चुका है। युद्ध होने पर इसमें तेजी से कमी होती है, क्योंकि आकस्मिक सैन्य सामग्री खरीदने के लिये ताबड़तोड़ खर्च के फैसले करने पड़ते हैं। कुल मिलाकर भारत ताजा घटनाक्रम में बेहद फायदे में रहा। पाकिस्तान को अपनी ताकत दिखा दी। आतंकवादियों को उनकी औकात बता दी कि वे अब अपने आका की गोद में छुपें या पीछे, उन्हें ढूंढकर ठोक सकते हैं। विश्व समुदाय को यह जता दिया कि नये युग का भारत अपनी लड़ाई लड़ने में सक्षम है। सुपर पॉवर का दंभ भरने वाले अमेरिका व छोटे मियां चीन को समझा दिया कि भारत सैन्य संसाधन में आत्म निर्भर है।

उच्च न्यायिक सेवाओं में एलडीसीई आरक्षण 25% होगा 2007 बैच की नौसेना अधिकारी को स्थायी कमीशन मिलेगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायिक सेवा या जिला न्यायाधीश के कैडर में पदोन्नति के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (एलडीसीई) के लिए आरक्षित कोटा भी 10इ् से बढ़ाकर 25इ् कर दिया। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई व जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा, इससे न्याय प्रशासन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उच्च न्यायपालिका में 25इ् पद बाहर से सीधी भर्ती से भरे जाते हैं, जबकि 50इ् योग्यता-सह-वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति से भरे जाते हैं। एलडीसीई में न्यायिक अधिकारी अनुभव या वरिष्ठता की परवाह किए बिना इसे पास करके एडीजे बन सकते हैं सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश के बावजूद 2007 के एक शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी को स्थायी कमीशन न देने पर नौसेना को फटकार लगाई और कहा, बहुत हुआ। नौसेना के अधिकारी अपना अहंकार छोड़ें और इस अधिकारी को स्थायी कमीशन दें। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 2007 बैच की जज एडवोकट जनरल्स (विधिक) विभाग की अधिकारी सीमा चौधरी को एक सप्ताह में स्थायी कमीशन देने पर विचार करने के लिए कहा। पीठ ने नौसेना अधिकारियों और केंद्र की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आर. बालासुब्रमण्यम से कहा, बहुत हो गया। कृपया अपना व्यवहार सुधारें। हम आपको उसे स्थायी कमीशन

देने के लिए एक सप्ताह का समय देंगे। क्या संबंधित अधिकारी सोचते हैं कि वे न्यायालय के आदेशों को नजरअंदाज कर सकते हैं? आप किस तरह के अनुशासित बल हैं? चयन बोर्ड की कार्यवाही और अधिकारी की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट का अवलोकन करने वाली पीठ ने पूछा कि जब अधिकारियों ने दावा किया था कि उन्होंने सभी मानक हासिल कर लिए हैं, तो उन्हें स्थायी कमीशन में क्यों नहीं लिया गया। पीठ ने कहा, संबंधित अधिकारियों को अपना अहंकार त्यागना होगा। आप कैसे कह सकते हैं कि वह सभी पहलुओं में फिट हैं, लेकिन फिर भी हम उन्हें स्थायी कमीशन में नहीं ले सकते? इस अदालत का स्पष्ट निष्कर्ष है कि उनके मामले पर अलग से विचार किया जाना चाहिए। फिर अब तक उन पर विचार क्यों नहीं किया गया सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट एकाधिकार बनाने के लिए जानी जाती है। उसे इसमें महारत हासिल है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे बाजार में छोटी कंपनियों के भविष्य को लेकर चिंता है। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश से शुरू हुए विवाद के निपटारे में मदद के लिए वकील उदयादित्य बनर्जी को न्यायामित्र नियुक्त किया। एनसीएलएटी ने निष्पक्ष व्यापार नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) को फ्लिपकार्ट के खिलाफ उसके प्रभुत्वपूर्ण स्थिति के दुरुपयोग के लिए जांच शुरू करने को कहा था। जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस बात पर हैरानी जताई कि फ्लिपकार्ट पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप लगाने वाले शिकायतकर्ता ऑल इंडिया ऑनलाइन वेंडर्स एसोसिएशन (एआईओवीए) का कहीं पता नहीं चला। उसके वकीलों को संस्था से कोई निर्देश नहीं मिला था। एआईओवीए की ओर से पेश अधिवक्ता उदयादित्य बनर्जी ने कहा कि यह संभव है कि संगठन को भंग कर दिया गया हो या अब उसका अस्तित्व ही न हो। पीठ ने फ्लिपकार्ट के वकील से कहा कि वह एकाधिकार बनाने के मुद्दे की जांच करना चाहेगी। फ्लिपकार्ट के वकील ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म की वजह से कई छोटे विक्रेता अपने कारोबार को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने में सक्षम हुए हैं। इस पर जस्टिस कांत ने कहा, कभी-कभी फ्लिपकार्ट इतनी अधिक छूट देता है कि इससे छोटे कारोबारियों का कारोबार और बाजार का संतुलन बिगड़ जाता है।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई, वेबसाइट हैकिंग और देश विरोधी संदेश फैलाने के आरोप में दो गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गुजरात एटीएस ने दो युवकों को वेबसाइट हैकिंग और देशविरोधी संदेश फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वे 'हदहएम' तत्व लगातार भारत की वेबसाइटों को हैक करने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि गुजरात एटीएस के निरीक्षक ध्रुव प्रजापति को इनपुट मिला कि नडियाद निवासी

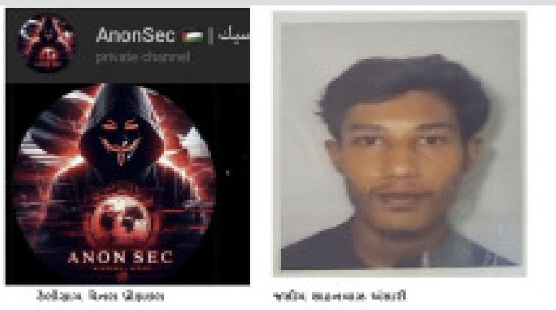

जसीम शाहनवाज अंसारी और एक नाबालिग लड़का मिलकर नाम का टेलीग्राम चैनल चला रहे हैं। इस चैनल पर वे हैक की गई वेबसाइट के सबूत और स्क्रीनशॉट शेयर करते थे। उन्होंने बताया कि एटीएस की टीम ने जांच शुरू की और दोनों के मोबाइल फोन फॉरेंसिक लैब (एफएसएल) भेजे गए। जांच में पता चला कि शुरुआत में उन्होंने नाम से चैनल बनाया था और उसका बैकअप चैनल था। बाद में इसे बदलकर कर दिया गया, ताकि अगर एक चैनल बंद हो जाए तो दूसरे से काम जारी रखा जा सके। नाम का टेलीग्राम चैनल चला रहे थे और हैक की गई साइटों के सबूत स्क्रीनशॉट के रूप शेयर करते थे। उनके खिलाफ आईटी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।गुजरात में दो युवकों को वेबसाइट हैकिंग और देश विरोधी संदेश फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि हैकर्स भारत की वेबसाइट पर हमला कर रहे हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी कई बार ऐसी ही जानकारी मिली कि देशविरोधी

बात को अनावश्यक तूल न दे, इसे यहीं खत्म मानें', मुंबई दौरे में प्रोटोकॉल चूक पर बोले सीजेआई गवई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीजेआई बी.आर. गवई ने मुंबई दौरे के दौरान प्रोटोकॉल चूक को मामूली बात बताते हुए कहा कि इसे तूल न दिया जाए और मामला यहीं समाप्त किया जाना

चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक बयान में बताया कि सभी संबंधित अधिकारी खेद जता चुके हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर.गवई ने कहा कि 18 मई को उनके मुंबई दौरे के दौरान हुई प्रोटोकॉल चूक एक छोटी सी बात है और इसे अनावश्यक रूप से तूल नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि मामले को अब शांतिपूर्वक समाप्त कर दिया जाए।सुप्रीम कोर्ट की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि सभी संबंधित लोगों ने खेद जताया है। दरअसल, 14 मई को सीजेआई गवई के महाराष्ट्र दौरे के दौरान न तो मुख्य सचिव, न पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और न ही मुंबई पुलिस आयुक्त उन्हें रिसीव करने पहुंचे थे। यह उनका सीजेआई बनने के बाद राज्य का पहला दौरा था।बयान में आगे कहा गया, सीजेआई की महाराष्ट्र यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल से जुड़ी खबरें मीडिया में प्रकाशित हो रही हैं। सभी संबंधित लोग पहले ही खेद जता चुके हैं। सीजेआई ने कहा है कि यह एक मामूली मुद्दा है, इसे अनावश्यक रूप से तूल न दिया जाए। सीजेआई ने सभी से आग्रह किया है कि इस मामले को अब समाप्त मान लिया जाए। 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने के बाद जस्टिस गवई महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होने मुंबई पहुंचे थे। सीजेआई ने जब डॉ. बी.आर. आंबेडकर को चैत्यभूमि में श्रद्धांजलित अर्पित की। इस दौरान मुख्य सचिव, डीजीपी और मुंबई पुलिस आयुक्त वहां पर मौजूद थे।

मुंबई के कल्याण में बड़ा हादसा, इमारत की स्लैब गिरी; छह लोगों की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कल्याण में मंगलवार अपराह्न चार मंजिला एक इमारत की ऊपरी मंजिल का स्लैब निचली मंजिलों पर गिर जाने से चार

महिलाओं और दो वर्षीय एक बच्ची सहित छह व्यक्तियों की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। महाराष्ट्र के ठाणे के पास कल्याण इलाके में मंगलवार दोपहर एक रिहायशी इमारत की एक मंजिल की छत गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है, जबकि चार अन्य घायल हो गए। कल्याण पूर्वी के मंगल राघो नगर इलाके में स्थित सप्तश्रृंगी इमारत की चौथी मंजिल का स्लैब अपराह्न करीब 2:15 बजे गिर गया और मलबा निचली मंजिलों पर गिर पड़ा।उन्होंने बताया, दमकल विभाग और आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। कल्याण तहसीलदार सचिन शेजाल ने पीटीआई को बताया कि एक व्यक्ति अब भी मलबे के नीचे फंसा हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दोपहर के समय कल्याण (पूर्व) के मंगलराघो नगर क्षेत्र स्थित सप्तश्रृंगी इमारत की दूसरी मंजिल की छत गिरने से हुआ।मृतकों की पहचान नमस्वी श्रीकांत शेलार (2), प्रमिला कालचरण साहू (56), सुनीता नीलांचल साहू (38), सुशीला नारायण गुजर (78), वेंकट भीमा चव्हाण (42) और सुजाता मनोज वाडी (38) के रूप में हुई है। इस हादसे में चार व्यक्ति घायल हुए हैं, जिनमें चार साल के दो बच्चे भी शामिल हैं।

नौ दिन में रक्त कैंसर खत्म भारत के डॉक्टरों ने हासिल की बड़ी कामयाबी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के डॉक्टरों ने नौ दिन में रक्त कैंसर खत्म करने का दावा किया है। कैंसर के इलाज में यह बड़ी कामयाबी है। तमिलनाडु के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) वेल्लोर के डॉक्टरों ने आईसीएमआर के साथ मिलकर परीक्षण किया है। इसे वेलकारटी नाम दिया गया है। पहली बार कार-टी सेल्स को अस्पताल में ही बनाकर दिया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि 80इ् मरीजों में 15 माह बाद भी कैंसर नहीं मिला।भारत के डॉक्टरों ने महज नौ दिन के भीतर रक्त कैंसर को खत्म कर दिया। साथ ही पहली बार कार-टी सेल्स को अस्पताल में ही बनाकर मरीजों को दिया गया। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कैंसर चिकित्सा में बड़ी कामयाबी बताते हुए घोषणा की है कि 80 फीसदी मरीजों में 15 माह बाद भी कैंसर सक्रिय नहीं पाया गया।आईसीएमआर के मुताबिक, यह ट्रायल दिखाता है कि कैंसर का इलाज सस्ता, तेज, और मरीजों के करीब कैसे किया जा सकता है। भारत अब स्वदेशी बायो थेरेपी को विकसित करने में अग्रणी बन रहा है, जो वैश्विक स्तर पर भी अहम है। यह सफलता आईसीएमआर और सीएमसी वेल्लोर के एक क्लिनिकल ट्रायल में हासिल हुई है, जिसे वेलकारटी नाम दिया है। इस परीक्षण के

परिणाम मोलिक्यूलर थेरेपी ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।जर्नल में प्रकाशित विवरणों के मुताबिक डॉक्टरों ने कार-टी थेरेपी के जरिये एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) और लार्ज बी-सेल लिम्फोमा (एलबीसीएल) के मरीजों पर परीक्षण किया। यह दोनों ही रक्त कैंसर के प्रकार हैं। इस प्रक्रिया में मरीज के अपने टी-सेल्स (प्रतिरक्षा कोशिकाओं) को कैंसर से लड़ने के लिए तैयार किया। हालांकि भारत में कार-टी थेरेपी का यह पहला अध्ययन नहीं है। इम्यूनो एक्ट और टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई ने मिलकर पहली स्वदेशी थेरेपी विकसित की जिसे 2023 में केंद्र से अनुमति भी मिली है।आईसीएमआर ने ट्रायल परिणाम जारी करते हुए बताया कि एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) कैंसर से प्रभावित सभी मरीज ठीक हो गए, जबकि लार्ज बी-सेल लिम्फोमा (एलबीसीएल) रोगियों में से 50इ् रोग मुक्त हुए। दोनों तरह के मरीजों पर लंबे समय तक निगरानी रखी गई जिसमें 80इ् मरीज 15 महीने बाद भी रोग-मुक्त रहे। हालांकि, इस बीच रोगियों में थेरेपी के हल्के दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं, पर न्यूरो टॉक्सिसिटी यानि तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव नहीं पाया गया।सीएमसी वेल्लोर के डॉक्टरों ने बताया कि यह प्रक्रिया अस्पताल में ही स्वचालित मशीनों के जरिये की गई जिसमें करीब नौ दिन का समय लगा। जबकि वैश्विक स्तर पर कार-टी थेरेपी में कम से कम पांच सप्ताह यानी 40 दिन का समय लगता है। भारतीय परीक्षण में मरीज की ताजा कोशिकाओं का उपयोग किया गया, जिससे उनकी तेजी से रिकवरी हुई। उन्होंने कहा कि भारत ने 90 फीसदी से भी अधिक सस्ती प्रक्रिया को जन्म दिया है।भारत में जहां कैंसर का इलाज महंगा है और ज्यादातर लोगों के पास बीमा नहीं है। यह थेरेपी लागत को 90इ् तक कम करती है।

ट्रंप की विदेश नीति का रुबियो ने किया बचाव; रूस पर बोले- शांति वार्ता रुकने पर नए प्रतिबंधों पर होगा विचार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का जमकर बचाव किया और कहा, 'अमेरिका वापस आ गया

है।' वहीं डेमोक्रेट सांसदों का मानना है कि इन नीतियों से अमेरिका की वैश्विक स्थिति कमजोर हो रही है। वहीं रुबियो ने रूस-यूक्रेन शांति वार्ता रुकने पर कहा कि अमेरिका रूस पर नए प्रतिबंधों पर विचार कर सकता है।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और डेमोक्रेट सांसदों के बीच मंगलवार को ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति को लेकर तीखी बहस हुई। इन मुद्दों में यूक्रेन-रूस युद्ध, गाजा संकट, शरणार्थी नीति और दक्षिण अफ्रीका से श्वेत आप्रवासियों का आगमन शामिल रहा।मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका इस्राइल को गाजा में मानवीय सहायता फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, लेकिन धमकी नहीं दे रहा। यूरोपीय देशों की तरफ से इस्राइल पर लगाए गए प्रतिबंधों का अमेरिका समर्थन नहीं करता। हालांकि, उन्होंने यह माना कि गाजा में आम नागरिकों की स्थिति गंभीर है और सहायता जरूरी है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले दिनों में सहायता बहाल होगी।रुबियो ने बताया कि यदि रूस ने युद्धविराम के लिए ठोस प्रस्ताव नहीं दिया, तो अमेरिका उस पर नए प्रतिबंध लगाने पर विचार करेगा। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप फिलहाल प्रतिबंधों की धमकी नहीं देना चाहते क्योंकि इससे शांति वार्ता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि वेटिकन, नए चुने गए पोप लियो 14वें के नेतृत्व में, संभावित वार्ताओं की मेज़बानी कर सकता है।डेमोक्रेट्स ने ट्रंप प्रशासन पर आरोप लगाया कि उन्होंने पूरी शरणार्थी नीति को रोक दिया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका से श्वेत अफ्रीकियों को विशेष अनुमति दी जा रही है। इस पर रुबियो ने जवाब दिया कि अमेरिका को यह अधिकार है कि वह किन्हें शरण दे और किन्हें नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ समूहों की पृष्ठभूमि और उनकी जांच प्रक्रिया आसान होती है, इसलिए उन्हें प्राथमिकता दी जाती है।सीनेटर जीन शहीन ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से चीन को दुनिया भर में जगह मिल रही है।

चीन-बांग्लादेश-पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों पर पैनी नजर; भारत को अब बच्चों सा नहीं, बड़ों की तरह रहना होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों के रवैये पर सबकी नजर है। इन देशों के बदलते रुख से साफ है कि अब भारत को अब बच्चों सा नहीं, बड़ों की तरह रहना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बांग्लादेश भी मुंह फाड़ रहा है। ऐसे में भारत के लिए चुनौती बढ़ रही है। ऐसे हालात में पाकिस्तान और चीन खुश हैं।आपरेशन सिंदूर के बाद भारत को अधिक चौकन्ना, सावधान और सतर्क रहना होगा। पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ चीन के सूत्र खुलने के बाद यह नया क्षेत्रीय बदलाव है। पूर्व विदेश सचिव शशांक कहते हैं कि यह चुनौती तो पहले भी थी,

लेकिन समय से थोड़ा पहले खुलकर सामने आ गई। अब हमें बच्चों की बजाय बड़ों की तरह व्यवहार करना होगा।पूर्व एयर वाइस मार्शल एन बी सिंह कहते हैं कि क्षेत्रीय स्तर पर जटिलताएं थोड़ी बढ़ रही हैं, लेकिन भारत इस तरह की चुनौतियों से निबटने में अभ्यस्त हो चुका है। विदेश मंत्रालय के पूर्व अधिकारी एस के शर्मा कहते हैं कि प्रोपेगेंडा राग में पाकिस्तान हमेशा आगे निकल जाता है। वह रोने में मास्टर है। इस समय बांग्लादेश के साथ भी भारत के रिश्ते उनते मजबूत नहीं रहे हैं। चीन की नजर हमेशा अपने फायदे और सीमा विस्तार पर रहती है। उसे पाक अधिकृत कश्मीर में अपने हितों का डर सता रहा है, लेकिन यही दिन हमेशा नहीं रहते। आपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान जीत का जश्न मना रहा है। उसके रक्षा मंत्री चीन में बैठे हैं और चीन ने पाकिस्तान को अगस्त 2025 तक अपना पांचवी पीढ़ी का लड़ाकू विमान देने का भरोसा दिया है। चीन ने भारत के सामने पाकिस्तान के साथ चल रहे अनिश्चितकालीन संघर्ष विराम को स्थायी संघर्ष विराम में बदलने का प्रस्ताव दिया है। चीन यह जानता है कि भारत और पाकिस्तान 1971 में हुए शिमला समझौते से बंधे हैं। भारत, पाकिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय मामले में कभी तीसरे देश की भूमिका स्वीकार नहीं करता। अमेरिका के भी प्रस्ताव को भारत से आदर के साथ खारिज कर दिया, लेकिन चीन ने इस प्रस्ताव के जरिए अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व का संदेश देने की कोशिश की है। भारत और पाकिस्तान के बीच में टकराव के समय चीन के एनएसए और विदेश मंत्री वांग यी ने खुल कर पाकिस्तान का साथ देने की घोषणा की थी। अब बांग्लादेश चलते हैं, वहां मोहम्मद युनूस की सरकार लालमुनिर हॉट वायुसैनिक हवाई अड्डे को विकसित करना चाहता है। चीन की नजर पहले से वहां टिकी है। चीन ने बांग्लादेश को दो पनडुब्बियां दे रहा है। बांग्लादेश के नौसैनिक तट पर छह पनडुब्बियों की क्षमता का प्लान है। चीन बांग्लादेश के इस डेवलपमेंट को लेकर हमारे रणनीतिकार गंभीर है। दरअसल लालमुनिर हॉट चिकन नेक एरिया से सटा हुआ है। चिकन नेक एरिया ही पश्चिम बंगाल को पूर्वोत्तर से जोड़ता है।पूर्व वायुसैनिक एयर वाइस मार्शल कहते हैं कि भारत और चीन के बीच में व्यापारिक संबंध अपनी जगह हैं, लेकिन यह सभी को पता है कि पाकिस्तान 80 प्रतिशत मिलिट्री हार्डवेयर उसी से खरीदता है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के बाद सत्ता में आए मोहम्मद युनूस का रुख किसी से छिपा नहीं है। वह चीन यात्रा पर थे, तभी इसके कयास लग रहे थे। एनबी सिंह कहते हैं कि चीन तो पहले से सामरिक दृष्टि से भारत को घेर रहा था। चीन भारत के पड़ोसी देशों में लगातार अपनी पैठ बना रहा है। भारत इसे जानता है और अब हमें थोड़ा और अधिक सावधान रहना होगा। अपनी सैन्य क्षमता पर विशेष ध्यान देना होगा। आर्थिक विकास पर जोर देना होगा। विदेश मामलों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार कहते हैं कि भारत इस समय अपने सांसदों का प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। रंजीत कुमार कहते हैं कि पाकिस्तान और भारत की अर्थ, राजनीति, रक्षा समेत किसी भी क्षेत्र में कोई तुलना नहीं है। बांग्लादेश को तो अभी बहुत कुछ पाना है, लेकिन पाकिस्तान के साथ चीन का इतनी जल्दी खुलकर आ जाना थोड़ा तंग करता है।

हाईकोर्ट जज ने रिटायरमेंट से 13 दिन पहले पद छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जस्टिस डीवी रमण ने कहा, मैंने 19 जुलाई, 2024 को और फिर 28 अगस्त, 2024 को सुप्रीम कोर्ट में औपचारिक अभ्यावेदन प्रस्तुत किए, जिसमें अपनी पत्नी की चिकित्सा स्थिति की गंभीरता को दोहराया था। उन्होंने

दुख जताते हुए कहा, लेकिन इन अभ्यावेदनों पर न तो विचार किया गया और न ही इसे अस्वीकार किया गया। पिछले मुख्य न्यायाधीश के कार्यकाल के दौरान की गई एक अन्य अपील भी अनुत्तरित रही। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज जस्टिस डीवी रमण ने अपने अवकाश ग्रहण के दिन बेहद सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, मेरा तबादला बुरी नीयत से किया किया गया था। जस्टिस रमण ने दिल की कड़वाहट इन शब्दों में बयां की, ईश्वर न तो क्षमा करता है और न ही भूलता है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, न्यायमूर्ति रमण की सेवानिवृत्ति दो जून 2025 को होने वाली थी। अपने आखिरी कार्यदिवस मंगलवार को अपने विदाई समारोह में स्थिर लेकिन दर्द से भरी हुई आवाज में जस्टिस रमण ने कहा, यह मेरे जीवन का एक उल्लेखनीय दौर था। मुझे बिना किसी स्पष्टीकरण के आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया। अपनी पत्नी की पैरोक्सिस्मल नॉन-एपिलेप्टिक सीजर्स (पीएनईएस) से लड़ाई और कोविड-19 महामारी के बाद गंभीर मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मुझसे विकल्प पूछे गए थे। मैंने कर्नाटक को चुना, ताकि मेरी पत्नी को बेहतर इलाज मिल सके। लेकिन एक पति की करुणा से उपजी ईमानदार विनती अनसुनी कर दी गई।जस्टिस रमण ने कहा, मैंने 19 जुलाई, 2024 को और फिर 28 अगस्त, 2024 को सुप्रीम कोर्ट में औपचारिक अभ्यावेदन प्रस्तुत किए, जिसमें अपनी पत्नी की चिकित्सा स्थिति की गंभीरता को दोहराया था। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, लेकिन इन अभ्यावेदनों पर न तो विचार किया गया और न ही इसे अस्वीकार किया गया। पिछले मुख्य न्यायाधीश के कार्यकाल के दौरान की गई एक अन्य अपील भी अनुत्तरित रही। उन्होंने कहा, मुझे कोई जवाब नहीं मिला। मेरे जैसे न्यायाधीश को कम से कम मानवीय दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। मैं निराश और बहुत दुखी हूं।उन्होंने माना कि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई शायद अधिक सहानुभूतिपूर्ण होते - लेकिन यह बहुत देर से हुआ क्योंकि मैं पद छोड़ रहा हूं। न्यायमूर्ति रमण ने कहा, तबादला मुझे परेशान करने के गलत इरादे से किया गया था। मुझे पीड़ा हुई क्योंकि स्पष्ट कारणों से मेरे गृह राज्य से मुझे स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने अदृश्य शक्तियों का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा। मैं उनके अहंकार को संतुष्ट करके खुश हूं। अब वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं। ईश्वर न तो माफ करते हैं और न ही भूलते हैं। वे भी किसी और तरीके से पीड़ित होंगे। जस्टिस रमण ने कहा कि न्यायिक सेवा में शामिल होने के क्षण से ही, उन्हें षड्यंत्रकारी जांच का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, मेरे परिवार ने चुपचाप सहा है, लेकिन अंततः सत्य की जीत होती है। उन्होंने मार्टिन लूथर किंग जूनियर के शब्दों का हवाला दिया, किसी व्यक्ति को आंकने का पैमाना यह नहीं है कि वह आराम और सुविधा के क्षणों में कहां खड़ा है, बल्कि यह है कि वह चुनौती और विवाद के समय कहां खड़ा है। जस्टिस रमण ने जोर देकर कहा कि उनके जीवन में हर उपलब्धि असफलताओं और कठिनाइयों को सहने के बाद मिली है।

मणिपुर हिंसा की जांच कर रहे तीन सदस्यीय आयोग की समयसीमा बढ़ी, अब 20 नवंबर तक केंद्र को देनी होगी रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मणिपुर। केंद्र सरकार ने मणिपुर हिंसा की जांच कर रहे तीन सदस्यीय आयोग की समयसीमा एक बार फिर बढ़ा दी है आयोग को 20 नवंबर 2025 तक केंद्र को

रिपोर्ट देनी होगी। आयोग का गठन 4 जून 2023 को किया गया था।केंद्र सरकार ने मणिपुर हिंसा की जांच कर रहे तीन सदस्यीय आयोग का समय एक बार फिर बढ़ा दिया है। अब आयोग को अपनी रिपोर्ट 20 नवंबर 2025 तक केंद्र को सौंपनी होगी। यह आयोग गुवाहाटी हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा की अध्यक्षता में 4 जून 2023 को गठित हुआ था। आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हिमांशु शेखर दास और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अलोका प्रभाकर भी शामिल हैं। अ ायोग को मणिपुर में 3 मई 2023 को शुरू हुई हिंसा की जड़, फैलाव और जिम्मेदार पक्षों की जांच करनी है।केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) की अधिसूचना के मुताबिक, आयोग को पहली बार 6 महीने में रिपोर्ट देनी थी, लेकिन अब तक दो बार समय बढ़ाया जा चुका है। पिछली बार आयोग को 20 मई 2025 तक का समय मिला था, जो अब बढ़ाकर 20 नवंबर 2025 कर दिया गया है। यह तीन सदस्यीय आयोग हिंसा से जुड़े घटनाक्रमों की कड़ी, प्रशासन की लापरवाही और उठाए गए कदमों की पर्याप्तता की जांच करेगा। व्यक्तियों या संगठनों की शिकायतों पर भी आयोग सुनवाई कर सकेगा। 3 मई 2023 को मणिपुर में उस वक्त हिंसा भड़की, जब कुकी-जो आदिवासी समुदाय ने मेतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की सिफारिश के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। कई घरों में आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं। एन.बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है। 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रपति शासन लगाया गया।

बॉलीवुड/टेली मसाला

50 करोड़ की ओर बढ़ रही मिशन इम्पॉसिबल, धीमी पड़ी बाकी फिल्मों की रफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इन दिनों टॉम क्रूज का जलवा देखने को मिल रहा है। जानिए मंगलवार का दिन पर अपनी रफ्तार बनाए हुए है। हालांकि, फिल्म की कमाई में कुछ कमी जरूर दिख रही है, लेकिन फिल्म वीक डे में भी लोगों को अपनी को पार कर जाएगी। मिशन इम्पॉसिबल के साथ एक और हॉलीवुड फिल्म 'फाइनल डेस्टिनेशन ब्लडलाइन्स' भी बॉक्स ऑफिस पर

'मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' और बाकी फिल्मों के लिए कैसा रहा।टॉम क्रूज की 'मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' बॉक्स ऑफिस पर लगातार आगे बढ़ रही है। तो वहीं इस फिल्म के साथ हॉलीवुड की एक और फिल्म 'फाइनल डेस्टिनेशन ब्लडलाइन्स' भी सिनेमाघरों में बनी हुई है। इन दो हॉलीवुड फिल्मों के बीच अजय देवगन की 'रेड 2' अभी भी दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है। जानते हैं मंगलवार को बॉक्स ऑफिस पर क्या रहा इन फिल्मों का हाल टॉम क्रूज की 'मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' बॉक्स ऑफिस ओर खींच रही है। मंगलवार को फिल्म ने 5.50 करोड़ की कमाई की। जबकि सोमवार को फिल्म का कलेक्शन 5.75 करोड़ रहा था। ऐसे में अब चार दिनों में 'मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' ने कुल 44.75 करोड़ की कमाई कर ली है। अब फिल्म 50 करोड़ की ओर आगे बढ़ रही ह भारत में मिशन इम्पॉसिबल सीरीज का काफी क्रेज रहा है। अब सीरीज की अंतिम फिल्म को भी दर्शकों का प्यार मिल रहा है। यही वजह है कि फिल्म लगातार अच्छी कमाई कर रही है। उम्मीद है कि फिल्म एक-दो दिन में 50 करोड़ के आंकड़े टिकी है। फिल्म ने अपने छठे दिन मंगलवार को 2.50 करोड़ की कमाई की। इससे पहले सोमवार को फिल्म ने 2.75 करोड़ का बिजनेस किया था। ऐसे में अब तक फिल्म की कुल कमाई 27.70 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। अजय देवगन की 'रेड 2' अपने तीसरे हफ्ते में भी दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है। फिल्म ने 20वें दिन मंगलवार को 1.97 करोड़ की कमाई की। जबकि इससे पहले सोमवार को फिल्म का कलेक्शन 1.85 करोड़ रहा था। ऐसे में ये जाहिर है कि फिल्म को लगातार दर्शक मिल रहे हैं।

भांजे रिवर के साथ खेलती नजर आई अनन्या पांड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। आज मंगलवार को उन्होंने अपने भांजे रिवर के साथ बेहद क्यूट फोटोज शेयर की हैं। अनन्या पांडे अपने नन्हे भांजे रिवर के साथ काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर की है। इसके साथ लिखा है, 'क्या में इसके काट सकती हूं'। मौसी-भांजे की क्यूट तस्वीरें और बॉन्डिंग देख यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'दोनों की तस्वीरें देख फैसला कर पाना मुश्किल है कि कौन ज्यादा क्यूट है?' एक यूजर ने लिखा,

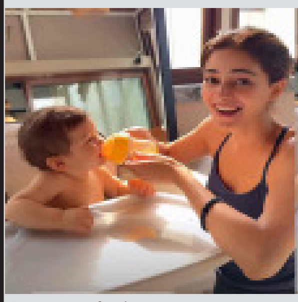

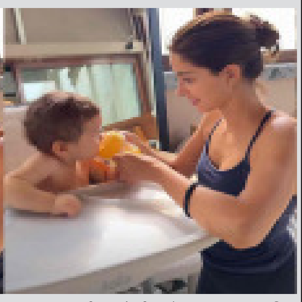

शेयर करती हैं। समय-समय पर इसकी झलकियां सोशल मीडिया पर भी शेयर करती नजर आती हैं। मौसी और भांजे की क्यूट तस्वीरें हमेशा ही फैंस का दिल जीत लेती हैं। आज मंगलवार को अनन्या ने फिर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। वे रिवर के साथ खेलती नजर आ रही हैं। अनन्या ने मंगलवार 20 मई को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्यूट वीडियो शेयर किया। इसमें वे बेबी रिवर को सिपर से जूस पिलाती नजर आ रही हैं। अनन्या मौसी वाली ड्यूटी बड़े प्यार से निभाती दिख रही हैं। इसके अलावा अनन्या ने रिवर की एक फोटो भी 'ये प्यारी मौसी हैं'। बता दें कि रिवर अनन्या पांडे की चचेरी बहन अलाना पांडे और इवोर मैकक्रे के बेटे हैं। अलाना ने साल 2024 में जून में रिवर को जन्म दिया। अनन्या पांडे अक्सर रिवर के साथ प्यारी फोटोज शेयर करती हैं। अनन्या के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों उन्हें अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' में देखा गया था। दिलरीत कौर गिल के रूप में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। आने वाले वक्त में अनन्या के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं।

कान में गूंजी फैशन को पर्यावरण हितकारी बनाने की आवाज, आरुषि निशंक ने थामा बदलाव का परचम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पर्यावरण की पैरोकार आरुषि निशंक ने इस बार के कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपने पहले कदम के साथ एक जो कि फैशन की दुनिया में एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। आरुषि के ड्रेस की खासियत यह थी कि वह पारंपरिक कढ़ाई के साथ आधुनिक टिकाऊ डिजाइन का स्टाइलिश हो सकता है। उन्होंने फैशन इंडस्ट्री को यह दिखाया कि सुंदरता और संवेदनशीलता एक साथ चल सकती हैं। इसके अलावा कान में आयोजित पैनल

ऐतिहासिक और सशक्त संदेश दिया।हिंदी सिनेमा में पर्यावरण बचाओ मुहिम का पर्याय बन चुकीं अभिनेत्री आरुषि निशंक का मानना है कि फैशन महोत्सवों को भी धरती को बचाने की मुहिम से जोड़ा जा सकता है और एक ऐसी व्यवस्था भी फैशन उद्योग में बननी चाहिए जिसमें फैशन के चक्रीय उपयोग से न

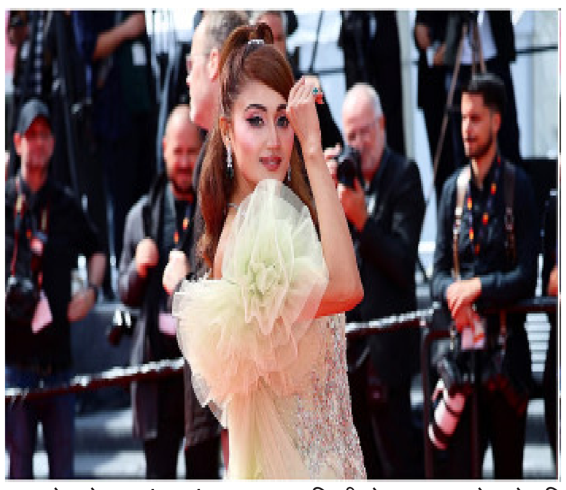

चर्चा ठमेकिंग इंडिया अ ग्लोबल फिल्म पावर हाउसठ में बतौर विशेष अतिथि बोलते हुए आरुषि ने कहा कि फिल्मों में भी सर्कुलर फैशन के जरिए पर्यावरण के अनुकूल सोच को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, ठथ्रेड्स विद जीरो रिग्रेट (बिना पछतावे के धागे)ठ – यह बदलाव न सिर्फ फैशन और फिल्म

सिर्फ पर्यावरण की सुरक्षा हो सके बल्कि दुनिया भर में ग्लैमर जगत के लोगों के बीच अपनी धरती को बचाने का एक ठोस संदेश भी प्रसारित हो। पर्यावरण की पैरोकार आरुषि निशंक ने इस बार के कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपने पहले कदम के साथ एक ऐतिहासिक और सशक्त संदेश दिया। उन्होंने 'सर्कुलर फैशन' यानी पर्यावरण को ध्यान में रखकर बनाए गए परिधान में शिरकत की, सुंदर संगम था। आरुषि की पोशाक ने प्रकृति से जुड़ाव और जीवन की ऊर्जा को दर्शाया। यह परिधान ज़ीरो-वेस्ट कटिंग तकनीक से तैयार किया गया था, जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। इस ड्रेस में इस्तेमाल की गई सामग्री नैतिक रूप से प्राप्त और टिकाऊ रूप से तैयार की गई थी। अपने इस लुक के माध्यम से आरुषि ने यह साबित किया कि पर्यावरण के अनुकूल फैशन भी ग्लैमरस और उद्योग के लिए ज़रूरी है, बल्कि यह दर्शाता है कि सुंदरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी साथ-साथ निभाई जा सकती है। आरुषि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र, जिनेवा में भी एक सम्मेलन में देखी गईं, जहां उन्होंने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी किसी भी देश के लिए एक ज्यादा टिकाऊ और मजबूत अर्थव्यवस्था की दिशा में रास्ता खोल सकती है। उनके इस संदेश को वैश्विक मंच पर सराहना मिली।

कान में जान्हवी को देख फैंस को याद आईं श्रीदेवी, आउटफिट का बनारस से है खास कनेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री जान्हवी कपूर का कान फिल्म फेस्टिवल का लुक अब सोशल मीडिया पर वायरल है। जानिए इस लुक में क्या है खास।78वें कान फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सेलेब्स का पहुंचना लगातार जारी है। अब अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने भी कान तहिलियानी के कस्टम आउटफिट में कान की रेड कार्पेट पर उतरीं। गुलाबी रंग की इस खूबसूरत ड्रेस में जान्हवी काफी खूबसूरत लगीं। उन्होंने बनारस में खास तौर पर बुने गए टिशू से बनी लंबी प्लीटेड स्कर्ट और कोर्सेट पहना था। उनके इस आउटफिट को रिया कपूर ने स्टाइल किया था। उन्होंने

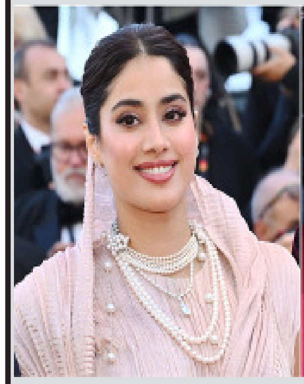

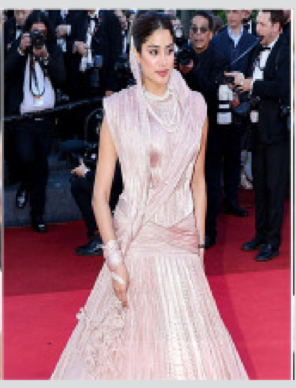

में अपना शानदार डेब्यू किया है। जान्हवी अपनी फिल्म 'होमबाउंड' के लिए कान में पहुंची हैं। जान्हवी के साथ होमबाउंड की पूरी कास्ट भी इस दौरान नजर आई। कान के डेब्यू में जान्वही का लुक काफी चर्चा में है। एक ओर जहां फैंस को जान्हवी के इस लुक को देखकर उनकी मां और वेटरेन अभिनेत्री श्रीदेवी की याद आई, तो वहीं दूसरी ओर लोग जान्हवी के लुक की तारीफ कर रहे हैं। अपने कान के डेब्यू को लेकर जान्हवी का कहना है कि पहली चीजें हमेशा खास होती हैं। ऐसे में जान्हवी के लिए ये डेब्यू भी काफी खास रहा है। जान्हवी मशहूर डिजाइनर तरुण अपने स्लीक बन से जुड़ी एक दुपट्टे जैसी ड्रेप के साथ इस ड्रेस को और भी खूबसूरत बना दिया। आउटफिट के सरफेस को हाथ से तैयार की गई तकनीक से तैयार किया गया था। जिसने इसके लुक को और भी बेहतर बनाया। वहीं एक सिग्नेचर टीटी ड्रेप ने जान्हली के लुक में चार चांद लगा दिए। कई फैंस और नेटिजेंस को जान्हवी का ये लुक देखकर उनकी मां और अभिनेत्री श्रीदेवी की याद आ गई। कई फैंस ने कहा कि जान्हवी बिल्कुल मां श्रीदेवी की तरह लग रही हैं। जान्हवी ने अपने लुक को लेयर्ड पर्ल नेकलेस और मैचिंग डायमंड स्टड के साथ कंप्लीट किया।

आदित्य चोपड़ा और रानी मुखर्जी की लव स्टोरी, जानिए दिलचस्प किस्से और कुछ अनसुनी बातें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा आज अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर जानिए रानी मुखर्जी के साथ उनकी लव स्टोरी।लाइमलाइट से दूर रहने वाले बॉलीवुड के मशहूर निर्माता-निर्देशक आदित्य चोपड़ा और रानी की प्रेम कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। आइए, जानते हैं उनकी लव लाइफ से जुड़े दिलचस्प किस्से, उनकी पहली मुलाकात, प्यार की शुरुआत और यश चोपड़ा की राय के बारे में।दिवंगत फिल्म निर्माता यश चोपड़ा और पामेला चोपड़ा के बड़े आदित्य चोपड़ा का आज जन्म 21 मई को जन्मदिन है। आदित्य का जन्म आज ही के दिन 1971 को मुंबई में हुआ था। आदित्य भारतीय फिल्म निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक हैं। वह यश राज फिल्म्स (भ्इ) के अध्यक्ष हैं। उनके द्वारा निर्मित फिल्में उन्हें अब तक के सबसे अधिक कमाई करने वाले भारतीय फिल्म निर्माताओं में से एक बनाती हैं। फिल्म की तरह ही आदित्य की लव लाइफ भी है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य और रानी की पहली मुलाकात 1990 में एक रेस्टोरेंट में हुई थी। उस समय रानी की पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' रिलीज हुई थी। आदित्य को रानी का काम इतना पसंद आया कि उन्होंने करण जौहर को अपनी फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में रानी को कास्ट करने की सलाह दी थी। कहा जाता है कि आदित्य पहली मुलाकात में ही रानी को दिल दे बैठे थे। हालांकि, रानी ने उस समय फिल्म बना चुके थे। 2002 में फिल्म 'मुझसे दोस्ती करोगे' के सेट पर आदित्य और रानी की पहली करते हुए उन पर भरोसा जताया, जिससे उनकी दोस्ती शुरू हुई थी। कथित तौर पर 2004 में यश चोपड़ा घर से खाना बनाकर लाती थीं, जिससे दोनों के रिश्ते की चर्चा शुरू हुई। आदित्य ने 2001 में अपनी

आदित्य को नहीं पहचाना, क्योंकि वह इंडस्ट्री में नए-नए थे, जबकि आदित्य पहले से ही 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी सुपरहिट प्रोफेशनल मुलाकात हुई। आदित्य इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे। रानी ने एक इंटरव्यू में बताया कि आदित्य ने उनकी फ्लॉप फिल्मों का जिक्र की फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग के दौरान आदित्य और रानी की दोस्ती प्यार में बदलने लगी। कहा जाता है कि रानी, आदित्य के लिए स्कूल फ्रेंड और इंटीरियर डिजाइनर पायल खन्ना से शादी की थी, लेकिन 2009 में उनका तलाक हो गया था। आदित्य ने रानी को डेट करने से पहले उनके घर जाकर उनके माता-पिता से औपचारिक रूप से इजाजत मांगी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य और रानी ने करीब 8-12 साल तक अपने रिश्ते को गुप्त रखा। दोनों ने कभी सार्वजनिक रूप से अपने प्यार को स्वीकार नहीं किया, लेकिन रानी को चोपड़ा परिवार के फंक्शन्स में देखा जाता था। 21 अप्रैल 2014 को आदित्य और रानी ने इटली में एक निजी समारोह में शादी की। इस शादी में केवल करीबी परिवार और दोस्त शामिल थे। 2015 में रानी और आदित्य एक बेटी के माता-पिता बने, जिसका नाम उन्होंने 'आदिरा' रखा। यह नाम आदित्य (आदि) और रानी (रा) का मिश्रण है। रानी ने आदिरा की तस्वीरों को मीडिया से दूर रखा। कहा जाता है कि आदित्य के पिता यश चोपड़ा नहीं चाहते थे कि आदित्य अपनी पहली पत्नी पायल को तलाक दें। लेकिन पायल के ही समझाने पर यश चोपड़ा ने रानी को अपनी बहू के रूप में स्वीकार किया था। आदित्य के एक मात्र भाई अभिनेता और निर्माता उदय चोपड़ा हैं। आदित्य ने 18 साल की उम्र में एक सहायक निर्देशक के रूप में अपना फिल्म निर्माण का करियर शुरू किया। आदित्य ने अपने पिता के साथ चांदनी, लम्हे और डर जैसी फिल्मों में काम किया। आदित्य ने 23 साल की उम्र में शाहरुख खान और काजोल के साथ रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से निर्देशक और लेखक के तौर पर शुरुआत की।

सैयामी खेर ने सर्जरी कराने वाले एक्टर्स पर किया तंज, बोलीं- सब फैक्ट्री में बने उत्पादोंष्ठ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाई दुनिया में अक्सर हम देखते हैं कि एक्टर्स सर्जरी के जरिए अपने लुक को प्रभावशाली बनाने का प्रयास करते हैं। अब इसे लेकर अभिनेत्री सैयामी खेर ने खुलकर बात की है।हाल ही में एक्ट्रेस सैयामी खेर सनी देओल अभिनीत जाट फिल्म में नजर आईं थीं। अब उन्होंने कलाकारों द्वारा सुंदर दिखने के लिए अपने शरीर के अंगों की सर्जरी करवाने पर टिप्पणी की है। इसके बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा कि उन्हें भी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने के लिए कहा गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या बताया। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान अभिनेत्री सैयामी खेर से कॉस्मेटिक सर्जरी के तहत सुंदरता पाने को लेकर सवाल किया गया। चाहिए। लेकिन आप इस बात से इतने प्रभावित नहीं हो सकते कि

इसके जवाब में एक्ट्रेस ने बताया, 'केवल अभिनेत्रियों पर? नहीं, मुझे लगता है कि यह अभिनेता-अभिनेत्रियों सभी पर लागू होता है। मुझे लगता है कि अगर कोई अपने दिखने के तरीके से खुश नहीं है और वो कुछ इसमें बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें हर तरह से ऐसा करना दुनिया क्या सोचती है, यह मेरी राय है।'आगे बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया, 'कुछ लोगों ने मुझे बताया कि मुझे लिप जॉब करवाने की जरूरत है क्योंकि मेरे होंठ पर्याप्त रूप से भरे हुए नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे नाक की सर्जरी करवानी चाहिए।' इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'लेकिन मैं ठीक हूं। मुझे अपने होंठ वैसे ही पसंद हैं जैसे वे हैं, मुझे उनसे कोई समस्या नहीं है। हर कोई सुंदर दिखने के लिए फैक्ट्री में बने उत्पाद की तरह दिखने लगा है। आप एक निश्चित तरीके से बने होते हैं और यह आपको प्रामाणिकता देता है। इसलिए मुझे लगता है कि हमें ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, जहां इतनी इनसिक्योरिटी ना हो। ये इस बारे में होना चाहिए कि उसका प्रदर्शन कैसा है ना कि उनके होंठ बड़े हैं या नहीं।'सैयामी खेर को आखिरी बार गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित 'जाट' फिल्म में देखा गया था। इसके अलावा उन्हें कई साउथ फिल्मों में भी दिखा गया है।

सुहाना खान के जन्मदिन से पहले 'किंग' पर बड़ा एलान कर सकते हैं सिद्धार्थ आनंद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सुहाना खान और शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर कल बुधवार को कुछ अपडेट सामने आ सकता है। सिद्धार्थ आनंद के सोशल मीडिया पोस्ट को देखने के बाद कुछ ऐसे ही कयास लगाए जा रहे हैं।शाहरुख खान की आगामी फिल्म है 'किंग'। इसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी डेब्यू करने के बाद सुहाना 'किंग' के जरिए बड़े परदे पर डेब्यू करने वाली हैं। फैंस के बीच काफी उत्साह है। इस फिल्म के निर्देशन का जिम्मा सिद्धार्थ आनंद के कंधों पर है। उन्होंने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके बाद

नेटिजन्स कयास लगा रहे हैं कि निर्देशक 'किंग' को लेकर कुछ अपडेट शेयर करने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) से एक क्रिप्टिक मैसेज शेयर किया है। इसके बाद यूजर्स हैरान हैं। सिद्धार्थ ने पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'कल'। इस एक शब्द के लिखे जाने के बाद यूजर्स इसे फिल्म 'किंग' से जोड़कर देख रहे हैं और मान रहे हैं कि कल बुधवार को सिद्धार्थ इस फिल्म पर कोई अपडेट शेयर कर सकते हैं। शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान का 22 मई को जन्मदिन है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि सुहाना के जन्मदिन से पहले सिद्धार्थ फिल्म पर काम शुरू कर दें। भले ही सिद्धार्थ आनंद ने अपने पोस्ट में कुछ स्पष्ट नहीं किया हो, लेकिन लोग अनुमान लगा रहे हैं कि कल 21 मई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सस्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।